मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शनिवार, 21 मार्च 2026

संवत 2083, चैत्र शुक्ल 3 संवत मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 185 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ युद्ध ने तोड़ी कई धारणाएं,कम नहीं होतीं अमेरिकी बाधाएं

चारों ओर सरहुल की गूंज, मुख्य पाहन ने इस वर्ष अच्छे बारिश होने की भविष्यवाणी की ◂◂ 3

मस्जिदों में नमाज के बाद एक-दूसरे को दी ईद की मुबारकबाद

मेट्रो रेज

101

रांची : माहे रमजान के 30 पाक रोजे के बाद आज देशभर के साथ पूरे झारखंड में ईद धूमधाम से मनाया जा रहा है। राजधानी रांची में अलग-अलग मस्जिदों-ईदगाहों में पूर्व से निर्धारित समयों पर ईद की नमाज अदा की गई। रांची के मुख्य ईदगाहों में से एक हरमू ईदगाह और उसके बाहर के हरमू बाईपास रोड पर बड़ी संख्या में इस्लामिक धर्मावलंबियों ने ईद का नमाज अदा की।

इस्लाम धर्मावलंबियों के सबसे बड़े त्योहार में से एक ईद उल फितर को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। कई लोग ऐसे हैं जो अपने परिवार के साथ ईद मनाने के लिए दूसरे राज्य या शहर से रांची पहुंचे हैं। ईद की खुशियां आपस में मिलकर और सौहार्दपूर्वक मनाए इसके लिए घरों में सेवइयां तो कॉमन रूप से सबके घरों में बन रही है। इसके अलावा स्वादिष्ट और अलग अलग तरह के पकवान शमी कबाब, मटन चॉप, मोती पुलाव, बिरयानी सहित कई खास व्यंजन बनाए जा रहे हैं।

विश्वभर में शांति कायम हो: मो।असगर मिस्बाही, मौलाना

ईद के मौके पर हरमू ईदगाह में ईद की नमाज अदा करने के बाद हरमू ईदगाह के मौलाना मो।असगर मिस्बाही ने अपने संदेश में राज्य और देश में अमन और शांति का माहौल बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि ईद की नमाज के दौरान अल्लाह से विश्वभर में खुशियों का माहौल हो, युद्ध और हिंसा रुके, आपसी प्रेम और भाईचारा बढ़ने की दुआ की। उन्होंने कहा कि ईद का त्योहार अल्लाह का शुक्र, दुनिया में एकता, अमन और आपसी विश्वास बढ़ाने का त्योहार है।

खामनेई की तस्वीर के साथ नमाज पढ़ने पहुंचे थे लोग : ईद की नमाज के दौरान हरमू किशोरगंज के पास कुछ युवा हाथ में ईरान के दिवंगत सबसे बड़े धार्मिक नेता खामनेई की तस्वीर लेकर पहुंचे थे, तो कुछ लोग काले रंग की तख्ती लेकर नमाज स्थल पर पहुंचे थे, जिसपर ईरान के साथ अमेरिका-इजरायल युद्ध के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराते हुए अमेरिका विरोधी बातें लिखी हुई थी। वहीं, ईरान को इस बात के लिए समर्थन किया गया था कि उसने हरमुज से भारत के जहाजों को आने की अनुमति दी। राज्यसभा सांसद महुआ माजी, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय भी हरमू ईदगाह के पास पहुंचकर लोगों को ईद की शुभकामनाएं दी।

एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त, डेढ़ वर्षीय बच्ची की मौत

संवाददाता

कोडरमा: एक बच्ची को इलाज के लिए गिरिडीह जिले के घोड़थम्बा से कोडरमा के सदर अस्पताल लाया जा रहा था। इसी दौरान एंबुलेंस कोडरमा के नवलशाही थाना क्षेत्र अंतर्गत कोडरमा-जमुआ मुख्य मार्ग के पहाड़पुर के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस दर्दनाक हादसे में उस बच्ची की मौत हो गई, जिसे इलाज के लिए सदर अस्पताल कोडरमा लाया जा रहा था।

जानकारी के मुताबिक घोड़थम्बा निवासी विनोद पांडेय अपनी अपनी डेढ़ वर्षीय भतीजी आयुषी कुमारी के इलाज के लिए आज शनिवार सुबह अपने रिश्तेदार प्रमिला देवी व महेश पांडेय के साथ एंबुलेंस पर सवार होकर कोडरमा सदर अस्पताल जा रहे थे।

इसी दौरान नवलशाही थाना क्षेत्र के पहाड़पुर के समीप विपरीत दिशा से आ रही एक हाइवा ने एंबुलेंस को चकमा दे दिया। जिससे एंबुलेंस ने अपना संतुलन खो दिया और दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जिससे उसमें सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

इधर दुर्घटना के समय मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए स्थानीय एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस दौरान इलाज के क्रम में डेढ़ वर्षीय बच्ची आयुषी की मौत हो गई। वहीं बाकी घायलों को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल कोडरमा रेफर कर दिया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

इस घटना की जानकारी मिलते ही नवलशाही थाना प्रभारी सुमन कुमार दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और दुर्घटनाग्रस्त एंबुलेंस को अपने साथ थाना लेते गए हैं। उन्होंने कहा कि सभी घायलों को सदर अस्पताल भेजा गया हैं हालांकि घटना कैसे घटी है इस संबंध में जानकारी ली जा रही हैं। उन्होंने कहा कि चकमा देने वाले हाइवा की पहचान की जा रही है।

चतरा में ईद की धूम: इबादत के लिए झुके हजारों सिर, अमन-चैन की मांगी गई दुआ

मस्जिदों में उमड़ा जनसैलाब, गले मिल एक-दूसरे को दी गई ईद की मुबारकबाद

संवाददाता

चतरा : एक महीने के पवित्र रमजान के रोजों और इबादत के बाद आज जिले में ईद-उल-फितर का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिला मुख्यालय से लेकर सुदूरवर्ती प्रखंडों तक, हर तरफ खुशियों का माहौल देखा गया। हजारों की संख्या में अकीदतमंदों ने ईदगाहों और मस्जिदों में नमाज अदा की और मुल्क की तरक्की व शांति के लिए दुआएं मांगी। सुबह से ही जिले के विभिन्न ईदगाहों में रौनक दिखाई देने लगी थी। प्रतापपुर, हंटरगंज, सिमरिया, जोरी, पत्थलगड़ा और इटखोरी समेत तमाम प्रखंडों में छोटे-बड़े सभी ईदगाह नमाजियों

से गुलजार रहे। सफेद लिबास और सिर पर टोपी पहने बच्चे, बूढ़े और जवान खुदा की बारगाह में सजदा करते नजर आए। नमाज मुकम्मल होने के बाद 'ईद मुबारक' के नारों के साथ लोग एक-दूसरे के गले मिले और गिले-शिकवे दूर किए। बच्चों में ईद को लेकर खासा उत्साह था। ईदगाहों के बाहर सजे मेलों में बच्चे गुब्बारे, खिलौने और आइसक्रीम का लुत्फ उठाते दिखे। प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, ताकि शांतिपूर्ण तरीके से नमाज अदा की जा सके। त्योहार की इस रौनक ने एक बार फिर चतरा की गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल पेश की है।

खूंटी में अतिक्रमण हटाओ अभियान

कर्रा रोड और नेताजी चौक पर कार्रवाई

कई वाहनों का नो पार्किंग और बिना हेलमेट कटा चालान

संवाददाता

खूंटीः आगामी सरहुल ईद और रामनवमी जैसे प्रमुख पर्व-त्योहारों को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में नजर आ रहा है। कानून-व्यवस्था को दुरुस्त रखने और शोभायात्राओं को सुगम बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को खूंटी के कर्रा रोड सहित कई प्रमुख इलाकों में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी ने किया, जबकि अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरुण रजक पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहे। प्रशासन की टीम ने नेताजी चौक और कर्रा रोड क्षेत्र में सड़क किनारे फैले अतिक्रमण को हटाते हुए कई दुकानों के बाहर निकले छज्जे और सामानों को हटवाया। इसके साथ ही रामनवमी शोभायात्रा को ध्यान में रखते हुए सड़कों के किनारे रखे बालू और ईंटों को भी हटाया गया, ताकि

आवागमन बाधित न हो। अभियान के दौरान ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भी सख्ती दिखाई गई। बिना हेलमेट वाहन चलाने, नो-पार्किंग में गाड़ी खड़ी करने समेत कई मामलों में चालान काटे गए। इस दौरान बड़ी संख्या में सड़क किनारे खड़ी गाड़ियों पर कार्रवाई की गई। हालांकि, कुछ वाहन चालकों ने प्रशासन की इस कार्रवाई पर नाराजगी जताई। उनका कहना था कि वे मात्र कुछ मिनट के लिए सामान खरीदने दुकान पर गए थे, लेकिन लौटने पर उनका चालान कट चुका था। स्थानीय लोगों ने यह भी सवाल उठाया कि जब शहर में पार्किंग की समुचित व्यवस्था नहीं है, तो लोग अपने वाहन कहां खड़े करें। इस अभियान में एसडीओ दीपेश कुमारी, एसडीपीओ वरुण रजक, थाना प्रभारी अशोक कुमार सिंह, कार्यपालक पदाधिकारी दीप प्रिय मिंज, अंचलाधिकारी समेत कई प्रशासनिक अधिकारी और नगर पंचायत कर्मी शामिल रहे। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि पर्व-त्योहारों के दौरान शहर में व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

जल महोत्सव पखवाड़ा के तहत जल अर्पण दिवस का आयोजन

जल संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश

संवाददाता

चतरा : जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त श्रीमती कीर्तिश्री जी के निदेर्शानुसार जिले में संचालित ह्लजल महोत्सव पखवाड़ाह्व (08 मार्च से 22 मार्च 2026) के तहत शुक्रवार को सिमरिया प्रखंड के चोपे पंचायत अंतर्गत तोरार ग्राम स्थित परियोजना +2 उच्च विद्यालय में ह्यजल अर्पण दिवसह्व कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में जिला परिषद उपाध्यक्ष, जिला परिषद सदस्य (सिमरिया पूर्वी), पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, चतरा के कार्यपालक अभियंता, संबंधित जनप्रतिनिधि, विद्यालय के प्रधानाचार्य, छात्र-छात्राएं, जलसहिया, मास्टर जलसहिया, प्रखंड एवं जिला स्तरीय पदाधिकारी तथा ग्रामीणों की सक्रिय सहभागिता रही।कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात सभी अतिथियों का स्वागत पौधा भेंट कर किया गया। इसके उपरांत प्रभातफेरी सह जल यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों, विद्यार्थियों एवं जलसहिया ने भाग लेते हुए जल संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान जलापूर्ति योजनाओं के तहत नल पर रक्षा सूत्र बांधकर ह्यजल बंधनह्व कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही, फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन से कलश में जल भरकर जल यात्रा निकाली गई, जो कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर जल अर्पण के साथ संपन्न हुई।

इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों द्वारा ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों को जल के महत्व, जल संरक्षण एवं संचयन की आवश्यकता के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई तथा जल के विवेकपूर्ण उपयोग हेतु प्रेरित किया गया।कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, संगीत, नृत्य एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का संदेश दिया गया।कार्यक्रम के समापन पर जिला परिषद उपाध्यक्ष ब्रिज किशोर तिवारी द्वारा सभी उपस्थित लोगों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई तथा जल के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया गया। जिला प्रशासन द्वारा अपील की गई है कि सभी नागरिक जल संरक्षण को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं एवं आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित करें।

वज्रपात का कहर

तीन महिलाओं की मौत तीन गंभीर रूप से घायल

205

चतरा : जिले के पत्थलगडा प्रखंड में शुक्रवार को दो अलग-अलग स्थानों पर हुई वज्रपात की घटनाओं ने तीन महिलाओं की जान ले ली, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। इस दर्दनाक हादसे से ईद से पहले सिंघानी में शोक की लहर दौड़ गई है और खुशियों का माहौल मातम में बदल गया है।

महुआ चुनने के दौरान हादसा, एक की मौके पर मौत : पहली घटना पत्थलगडा और गिद्धौर प्रखंड की सीमा पर स्थित बंदरचुवा गांव में हुई। यहां शुक्रवार दोपहर महुआ चुनने गई महिलाओं पर अचानक वज्रपात हो गया। इस हादसे में सिंघानी गांव निवासी मोहम्मद महफूज की पत्नी शमा परवीन (35 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई।

वहीं उनकी 12 वर्षीय पुत्री लाडली उर्फ हुजैफा परवीन और गांव के ही मोहम्मद महबूब की पत्नी जैतून निशा (55 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गईं। बताया जाता है कि अलविदा जुमे की नमाज के बाद महिलाएं महुआ चुनने गई थीं। अचानक मौसम खराब होने पर वे पेड़ के नीचे खड़ी हो गईं, तभी तेज वज्रपात हुआ। घटना के बाद स्थानीय

लोगों की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनवारा ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज, हजारीबाग रेफर कर दिया गया।परिजनों के अनुसार, ईद के मद्देनजर मृतका का अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस घटना से सिंघानी गांव में गहरा शोक व्याप्त है।दूसरी घटना पत्थलगडा प्रखंड के मेराल पंचायत अंतर्गत जेहरा गांव में हुई, जहां वज्रपात की चपेट में आकर दो सगी बहनों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान संजय भुइयां की पत्नियां कल्याणी देवी(22 वर्ष) और पूनम देवी(25 वर्ष) के रूप में हुई है।जानकारी के अनुसार तीनों घर के बाहर बैठे थे, तभी पास के पेड़ पर वज्रपात हुआ और उसकी चपेट में आ गए।

महाराजा मदरा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण

नामकुम : महाराजा मदरा मुंडा स्मारक समिति के तत्वावधान में मदरा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण नामकुम बाजार महावीर मंदिर के समीप किया गया. पाहन के द्वारा पारंपरिक रिति-रिवाज से पूजा अर्चना की गई जिसके बाद उपस्थित अतिथि केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंड़ा, प्रधान महासचिव अशोक मुंडा, भाजपा नेत्री आरती कुजूर, कांग्रेस नेता सतीश पॉल मुंजनी, वार्ड पार्षद कविता सांगा, मुखिया अनिता तिर्की, शोभा कच्छप, किरण तिर्की ने संयुक्त रूप से फिता काटने के बाद पर्दा हटाकर अनावरण किया. अतिथियों ने मदरा मुंडा की जीवनी, उनके संघर्ष एवं खाएं गये कार्यों पर अपने विचार रखें. उपस्थित लोग

ढोल नगाड़े की धून पर थिरके एवं एक-दूसरे को गुलाल लगाया. जमकर आतिशबाजी की. मौके पर सरना समिति के बिरसा पाहन, मंडल अध्यक्ष अशोक गोप, सुनील फकीरा कच्छप, किरण सांगा, प्रभुदयाल बडाईक, कालीशरण शाहदेव, बलराम कोरियार, दुर्गा कोरियार, बादल सांगा, सुनील लकड़ा, अनमोल लकड़ा, शान्ति मुंड़ा, देवचन्द्र कोरियार, शंकर मुंड़ा आदि उपस्थित थे।

जिला अभियंता का कार्यालय, जिला परिषद, खूँटी
(अभियंत्रण शाखा)

शुद्धि पत्र

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय द्वारा अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 22/2025–26 PR No- 375159 District (25-26).D द्वारा प्रकाशित निविदा में महत्वपूर्ण तिथियों को निम्न प्रकार से संशोधित किया जाता है :–

क्र.		पूर्व में प्रकाशित तिथि	संशोधित तिथि
1	वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय	18.03.2026 अपराह्न 5:00 बजे तक	20.03.2026 अपराह्ण 04:00 बजे तक।
2	वेबसाईट में निविदा डालने की अंतिम तिथि एवं समय	25.03.2026 अपराह्ण 05:00 बजे तक।	27.03.2026 अपराह्ण 05:00 बजे तक।
3	ई– निविदा की परिमाण विपत्र एवं अग्रधन की राशि ऑनलाईन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	25.03.2026 अपराह्ण 05:00 बजे तक।	27.03.2026 अपराह्ण 05:00 बजे तक।
4	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	27.03.2026 अपराह्ण 01:00 बजे	30.03.2026 अपराह्ण 01:00 बजे

निविदा सूचना की शेष शर्तें पूर्ववत रहेंगे।

ह०/–
जिला अभियंता,
जिला परिषद, खूँटी

PR 375780 District (25-26)_D

कार्यालय, झुमरी तिलैया नगर परिषद झुमरी तिलैया, जिला कोडरमा
Email – jhumritelaiyamunicipalcouncil@gmail.com

ज्ञापांक .... दिनांक ....

अति अल्पकालीन बन्दोबस्ती आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि माह 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक के लिए झुमरी तिलैया नगर परिषद क्षेत्रान्तर्गत निम्नलिखित सैरातों की बन्दोबस्ती हेतु आम डाक की तिथि निम्नवत् निर्धारित की गयी है :–

क्र0	सैरात का नाम	डाक का स्थान	डाक की तिथि एवं समय	प्रस्तावित सुरक्षित जमा राशि (रू0 में)	सुरक्षित जमानत राशि का 10 प्रतिशत	आवेदन प्रपत्र का शुल्क (रू0 में)	अभ्युक्ति
1	पानी टंकी रोड (वीर कुंवर सिंह चौक) से रेलवे स्टेशन (हनुमान मंदिर /बी0एस0एस0 कैंप की ओर) से होते हुए सुभाष चौक तक गुमटी ठेला, रेलवे लाईन, सब्जी बाजार की वसूली की बन्दोबस्ती	झुमरी तिलैया नगर परिषद	28 मार्च 2026 को पूर्वाह्न 11:00 बजे से	2,91,300.00	29,100.00	1000.00	अपरिहार्य कारणवश स्थगित होने पर अगले कार्य दिवस को पूर्व निर्धारित समय पर किया जाएगा।
2	अशोका होटल के पीछे सब्जी बाजार।	झुमरी तिलैया नगर परिषद	28 मार्च 2026 को अपराह्न 12.05 बजे से	13,01,000.00	1,30,000.00	1000.00	
3	पुराना नगरपालिका कार्यालय के पास ऑटो/ई–रिक्शा स्टैण्ड की बन्दोबस्ती।	झुमरी तिलैया नगर परिषद	28 मार्च 2026 को अपराह्न 12.20 बजे से	6,15,000.00	61,500.00	1000.00	
4	सरकारी बस स्टैण्ड में बड़े एवं छोटे वाहनों की बन्दोबस्ती।	झुमरी तिलैया नगर परिषद	28 मार्च 2026 को अपराह्न 12.40 बजे से	4,90,000.00	49,000.00	1000.00	
5	पूर्णिमा टॉकीज/महाराणा प्रताप चौक के समीप ऑटो/ई–रिक्शा स्टैण्ड की बन्दोबस्ती।	झुमरी तिलैया नगर परिषद	28 मार्च 2026 को अपराह्न 1.20 बजे से	8,06,669.00	81,000.00	1000.00	
6	महाराणा प्रताप चौक के पास श्रम कल्याण केन्द्र के सामने छोटे एवं बड़े वाहनों की बन्दोबस्ती।	झुमरी तिलैया नगर परिषद	28 मार्च 2026 को अपराह्न 1.40 बजे से	9,52,000.00	95,200.00	1000.00	
7	फ्लाई ओवर के नीचे झंडा चौक की ओर पार्किंग की बन्दोबस्ती।	झुमरी तिलैया नगर परिषद	28 मार्च 2026 को अपराह्न 3.00 बजे से	3,61,800.00	36,200.00	1000.00	
8	फलाई ओवर के नीचे वीर कुँवर सिंह चौक की ओर पार्किंग की बन्दोबस्ती।	झुमरी तिलैया नगर परिषद	28 मार्च 2026 को अपराह्न 3.15 बजे से	5,14,650.00	51,000.00	1000.00	
9	प्रखण्ड कार्यालय कोडरमा के समीप प्रत्येक रविवार को लगने वाले हाट बाजार की बन्दोबस्ती	झुमरी तिलैया नगर परिषद	28 मार्च 2026 को अपराह्न 3.30 बजे से	50,000.00	5,000.00	500.00	

निविदा की शर्त विभागीय वेबसाईट www.udhd.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

आवेदन प्रपत्र अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से दिनांक – 27.03.2026 तक कार्यालय अवधि में निर्धारित आवेदन प्रपत्र शुल्क जमा कर प्राप्त किया जा सकता है। आवेदन प्रपत्र (सुरक्षित जमानत राशि का डिमांड ड्राफ्ट/बैंकर्स चेक, जो कार्यपालक पदाधिकारी झुमरी तिलैया नगर परिषद के नाम से देय होगा, के साथ) भरकर एक बंद लिफाफे में दिनांक 27.03.2026 तक कार्यालय अवधि में जमा किया जायेगा। बिना कारण बताये डाक को स्थगित/रद्द करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को रहेगा।

ह0/– कार्यपालक पदाधिकारी
झुमरी तिलैया नगर परिषद

PR.NO.375749 Urban Development(25-26):D

हंटरगंज में नववर्ष के उपलक्ष्य पर निकाली गई शोभायात्रा

चतरा : हंटरगंज प्रखंड में गुरुवार को हिंदू नववर्ष बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इसको लेकर कड़ी सुरक्षा के बीच रामनवमी महासमिति ओर से गुरुवार देर शाम प्रतापपुर मोड़ से भगवान श्री राम की शोभायात्रा निकाली गई।इस यात्रा में हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। जहां हर कोई राममय होकर सड़कों पर श्रीराम के जयकारों लगाते दिखाई दिया।भगवान राम के गानों और भजनों पर भक्त झूमते हुए दिखे यह शोभा यात्रा प्रतापपुर मोड से शुरू होकर पानी टंकी होते हुए मेन बाजार देवी मंडप के पास पहुंची, जहां हनुमान चालीसा के धून पर युवा टोली ने बैठ कर नृत्य किया। इसके बाद बाजार होते हुए कौलेश्वरी मोड़ से होते हुए नावाडीह ब्लॉक मोड़ में देर रात्रि शोभा यात्रा का समापन हुआ। इस राम शोभायात्रा का नेतृत्व रामनवमीं पूजा समिति के अध्यक्ष गुंजीत सिंह कर रहे थे। इस शोभा यात्रा में हजारों की सख्या में श्रद्धालु साथ चल रहे थे। इसके साथ ही इस राम शोभा यात्रा में में सुरक्षा की भी काफी चौकस व्यवस्था की गई थी। स्वयं थाना प्रभारी प्रभात कुमार और सब इंस्पेक्टर पुरुषोत्तम अग्निहोत्री निगरानी कर रहे थे। इस भव्य जुलूस में उपाध्यक्ष रौशन सिंह, जैनेन्द्र सिंह, अरुण चौरसिया, रिषभ,शिवशंकर, मुन्ना यादव, सोनू, चंदन,सोली,सौरभ, मंटू, रोहित,बिट्टू, विवेक,सुधांशु, अमन, निक्कू सहित कई समिति के सदस्यों ने सफल कार्यक्रम को लेकर अहम भूमिका निभाई।

आईसीटी चैंपियनशिप में प्रतिभाओं का सम्मान 109 छात्र-छात्राओं को किया गया पुरस्कृत

संवाददाता

चतरा : झारखण्ड शिक्षा परियोजना, चतरा के तत्वावधान में आयोजित आईसीटी चैंपियनशिप 2025-26 के सफल आयोजन के उपरांत जिला स्तरीय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ उपायुक्त द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।इस अवसर पर उपायुक्त श्रीमती कीर्तिश्री जी ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान समय में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) का ज्ञान अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है और इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने का सशक्त मंच प्रदान करती हैं। कार्यक्रम में जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश कुमार मिश्र भी उपस्थित थे।जिले के कुल 116 माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में आयोजित इस प्रतियोगिता की शुरूआत विद्यालय स्तर से की गई थी, जहां कक्षा 9, 10, 11 एवं 12 के विद्यार्थियों के बीच प्रतियोगिता आयोजित कर प्रत्येक कक्षा से एक छात्र एवं एक छात्रा का चयन प्रखण्ड स्तर के लिए किया गया। इसके उपरांत प्रखण्ड स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में चयनित प्रतिभागियों के बीच प्रतिस्पर्धा कर प्रत्येक प्रखण्ड से कुल 08 विद्यार्थियों का चयन जिला स्तर के लिए किया गया।कुछ प्रतिभागियों के समान अंक प्राप्त होने के कारण जिला स्तरीय प्रतियोगिता में कुल 109 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कुल 08 प्रतिभागियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हेतु किया गया, जिन्होंने जिले का प्रतिनिधित्व किया।कार्यक्रम के दौरान 48 विद्यालयों से संबंधित 109 विजेता छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। साथ ही उनके आईसीटी प्रशिक्षकों को प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया तथा जिला स्तर पर चयनित 08 विद्यार्थियों के प्रशिक्षकों को विशिष्ट प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, विद्यालय स्तर के उन विजेता विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया, जिनका चयन प्रखण्ड स्तर पर नहीं हो सका था।ज्ञात हो कि इस प्रतियोगिता का आयोजन चरणबद्ध तरीके से किया गया था, जिसके अंतर्गत विद्यालय स्तर की प्रतियोगिता 23 से 27 सितंबर 2025, प्रखण्ड स्तर की प्रतियोगिता 03 से 08 नवंबर 2025, जिला स्तरीय प्रतियोगिता 18 से 19 नवंबर 2025 तथा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 04 दिसंबर 2025 को आयोजित की गई थी।कार्यक्रम के अंत में जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग द्वारा सभी प्रतिभागियों, शिक्षकों एवं आयोजकों के प्रयासों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के नवाचारपूर्ण कार्यक्रमों के आयोजन की प्रतिबद्धता दोहराई गई।इस सम्मान समारोह में जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश कुमार मिश्र, जिला शिक्षा अधीक्षक रामजी कुमार, अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी राकेश कुमार पांडेय, क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी अम्बुजय राज लक्ष्मी, बीईओ किशोर कुमार एवं सभी प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी उपस्थित थे।

नगर निकाय सम्मान समारोह की तैयारियां पूरी

रांची : रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की द्वितीय प्रांतीय कार्यसमिति की बैठक एवं नगर निकाय सम्मान समारोह का आयोजन 22 मार्च दिन रविवार पूर्वाह्न 11 बजे से हरमू रोड रांची स्थित मारवाड़ी भवन के बहुउद्देशीय सभागार में रखा गया है। जिसकी तैयारियां पूरी कर ली गई है, झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं मारवाड़ी सहायक समिति के संयुक्त तत्वाधान में मारवाड़ी भवन में आयोजित नगर निकाय सम्मान समारोह में मारवाड़ी समाज से झारखंड से निकाय चुनाव में निर्वाचित होने वाले सभी मेयर, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं वार्ड पार्षदों को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही साथ नगर निकाय चुनाव में चुनाव लड़ने वाले सभी मारवाड़ी समाज के प्रत्याशियों को भी सम्मानित किया जाएगा। इस बार के झारखंड नगर निकाय चुनाव में मारवाड़ी समाज से 1 मेयर, 2 अध्यक्ष, 3 उपाध्यक्ष एवं 18 पार्षद चुने गए हैं। मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल एवं महामंत्री विनोद कुमार जैन ने सभी कार्यसमिति सदस्य,पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष,जिला,शाखा अध्यक्ष, मंत्री,विशेष आमंत्रित,परामर्श दात्री समिति के सदस्यों से इस बैठक एवं सम्मान समारोह में अवश्य उपस्थित रहने का आग्रह किया है। उक्त जानकारी देते हुए प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि कार्यक्रम की तैयारीयों के मौके पर प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल, महामंत्री विनोद कुमार जैन, मारवाड़ी सहायक समिति के अध्यक्ष पवन कुमार शर्मा, कार्यक्रम संयोजक सुभाष पटवारी, ललित कुमार पोद्दार, मनोज कुमार चौधरी, नंदकिशोर पाटोदिया,कौशल राजगढ़िया, अनिल कुमार अग्रवाल,संजय सर्राफ, निर्मल बुधिया, महेश कुमार आदि उपस्थित थे।

ईद-सरहुल पर ट्रैफिक रूट बदलाव से लोग परेशान, ट्रैफिक पुलिस की कड़ी निगरानी

रांची : ईद और सरहुल पर्व को लेकर पूरे राज्य में उत्साह का माहौल है। इसको लेकर राजधानी की ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किया गया है। ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह द्वारा जारी आदेश के अनुसार, शहर के कई प्रमुख मार्गों को अस्थायी रूप से बंद किया गया है।

हालांकि, जानकारी की कमी के कारण लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई लोग अपने सामान्य रास्तों से निकल पड़े, जिससे जगह-जगह जाम की स्थिति बन गई। ट्रैफिक पुलिस को लोगों को समझाने और वैकल्पिक रास्तों पर भेजने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर ट्रैफिक पुलिस की कड़ी निगरानी देखी गई। कुछ लोग पुलिस की बात मानकर दूसरे रास्तों से गए, जबकि कुछ लोग उसी रास्ते से जाने के लिए ट्रैफिक पुलिस से उलझते नजर आए।

ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के अनुसार, सड़कों पर नमाज अदा किए जाने के कारण यातायात प्रभावित हुआ है, जिससे और भी लोगों को परेशानी हो सकती है। फिलहाल पुलिस यात्रियों को समझाकर अलग-अलग मार्गों से भेज रही है। आपको बता दें कि ईद और सरहुल पर्व को लेकर शहर के संवेदनशील और विभिन्न चौक चौराहों पर दो हजार फोर्स की तैनाती की गई है।

शिव महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ का शंखनाद शवत्व से शिवत्व की ओर का गूंजा संदेश

रांची : दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के तत्वावधान में आयोजित होने वाले सात दिवसीय ह्यशिव महापुराण कथा ज्ञान यज्ञह्ल के भव्य शुभारंभ से पूर्व दिव्य शोभा यात्रा निकाली गई। यह शोभा यात्रा ह्लशवत्व से शिवत्व की ओरह्ल के गहरे आध्यात्मिक संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित की गई।

शोभा यात्रा में भगवान शिव का अत्यंत आकर्षक रथ मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। यात्रा के दौरान मधुर भक्ति संगीत और ह्यहर-हर महादेवह्ल के गगनभेदी जयघोष से संपूर्ण वातावरण शिवमय हो गया। इस यात्रा में लगभग दर्जनों चार पहिया वाहनों का काफिला शामिल था, जिसने आयोजन को और भी भव्यता प्रदान की। ?नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर रथ का भव्य स्वागत किया।

मौके पर दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के बिहार-झारखंड प्रभारी स्वामी यादवेन्द्रानंद ने कहा कि ?ह्लऐसे आध्यात्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। शिव महापुराण की कथा केवल एक कहानी नहीं, बल्कि मनुष्य को आत्मिक उन्नति और आत्म-साक्षात्कार की ओर ले जाने वाला मार्ग है।ह्ल

?इस पावन अवसर पर स्वामी सुक्रमा, संसदानंद, रघुनंदना नंद, स्वामी धनंजयानंद, संजय सिंह, मनोज कुमार पंकज, इंद्रजीत यादव, रामबाबू सिंह, सुभाष मुखर्जी, इंजीनियर सुरेंद्र सिंह, मुनचुन राय, ललन शर्मा, अजय अग्रवाल अरविंदजी, ललन साहू और प्रेम शंकर प्रेमी दिनेश जी सहित बड़ी संख्या में यजमान एवं आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

मौलाना असगर मिस्बाही ने ईद पर दिया मोहब्बत का पैगाम

रांची : हरमू ईदगाह के इमाम मौलाना असगर मिस्बाही ने ईद-उल-फितर के मौके पर मीडिया से बातचीत में मोहब्बत और एकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ईद मुसलमानों का सबसे बड़ा त्योहार है, जो रमजान के रोजों, तरावीह की नमाज और कुरान की तिलावत के बाद आता है। यह अल्लाह की ओर से इनाम है। ईद में नमाज पढ़ी जाती है, दुआ मांगी जाती है और सादगी के साथ इसे मनाया जाता है।मौलाना ने ईद के पैगाम को सबके लिए बताया। उन्होंने कहा कि ईद का संदेश मोहब्बत, भाईचारा और इंसानियत का है। इस्लाम सिखाता है कि हर इंसान से प्यार करो। चाहे कोई त्योहार हो, शादी का मौका हो या दुख की घड़ी, हमें सबके साथ खड़ा होना चाहिए। हिंदुस्तान की खूबसूरती यही है कि यहां हर मजहब के लोग रहते हैं। संविधान ने सबको अपने धर्म के मुताबिक जीने का हक दिया है।ह्लउन्होंने कहा कि इस देश में हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई जैसे अलग-अलग फूलों की खूबसूरती है। अगर एक ही रंग थोप दिया जाए, तो यह खूबसूरती खत्म हो जाएगी। मुल्क की हिफाजत सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने नफरत फैलाने वालों पर निशाना साधा। कहा कि कुछ लोग इस मुल्क में नफरत फैलाना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि नफरत खत्म हो और मोहब्बत बढ़े। ईद का पैगाम यही है कि सबके सुख-दुख में शामिल हों, यह न देखें कि कोई किस धर्म का है। इंसानियत सबसे बड़ा धर्म है। मौलाना ने सियासतदानों से भी अपील की कि वे अपने फर्ज को समझें और मोहब्बत का माहौल बनाएं!

चारों ओर सरहुल की गूंज, मुख्य पाहन ने इस वर्ष अच्छे बारिश होने की भविष्यवाणी की

संवाददाता

रांची : प्रकृति पर्व सरहुल के मौके पर रांची के मुख्य पाहन जगलाल पाहन ने पारंपरिक रीति-रिवाज से घड़ों में रखे पानी को देखकर इस वर्ष अच्छी बारिश होने की भविष्यवाणी की है। इससे पहले ढोल-नगाड़ों की गूंज के साथ पाहन जगलाल पाहन, दीपक हेमरोम, रौशन हेमरोम, कुलदीप हेमरोम और अंतो हेमरोम अपने आवास से सूप में पूजा सामग्री सरय फूल, दीप अक्षत और सिंदुर लिए हुए निकलकर सरना स्थल पर पहुंचे।

परंपरा के मुताबिक, यहां उन्होंने तीन बार पूजा स्थल का परिक्रमा किया। जहां दो घड़ों में रखे पानी और सरना स्थल की पूजा की और सरना स्थल पर दीप प्रज्वलित किए। उन्होंने घड़ा पर अक्षत और टिका सिंदूर लगाए। जिसके बाद उन्होंने सरना मां, ईष्ट देव, जल देवता, ग्राम देवता और सूर्य भगवान सिंगबोंगा की पूजा अर्चना की।

पूजन के उपरांत देश दुनिया की सुख, शांति, समृद्धि की कामना की। मुख्य पाहन ने कहा कि इस बार भी खेती-बाड़ी बढ़िया होगी। बता दें, बीते दिन 20 मार्च की शाम सरना स्थल पर ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की गई।

रांची में ईद का जश्न, सुरक्षा का जायजा लेने एडीजी खुद सड़कों पर उतरे

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची ईदगाह सहित रांची के सभी मस्जिदों में शनिवार को ईद की नमाज अदा की गई। इस दौरान रांची पुलिस के द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। आईजी रांची सह एडीजी सीआईडी मनोज कौशिक खुद शहर में घूम-घूमकर सुरक्षा का जायजा लेते नजर आए।

हर तरफ रही सुरक्षा : रांची में तमाम मस्जिदों और ईदगाह में ईद की नमाज बड़ी तादाद में मुसलमान भाइयों ने एक साथ अदा की। सुबह से ही ईदगाह परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। नमाज के दौरान पूरा इलाका भाईचारे, एकता और उत्साह से सराबोर नजर आया। हजारों की संख्या में लोग विशेष नमाज में शरीक हुए, जो ईद के पवित्र त्योहार की शुरूआत का प्रतीक बनी।

वहीं, दूसरी तरफ ईद की सुरक्षा को लेकर रांची पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड में रही। शहर का ग्रामीण क्षेत्र हो या फिर शहरी हर मस्जिद में सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी रही। शहर में किस तरह की सुरक्षा व्यवस्था की गई है, इसका जायजा लेने के लिए खुद आईजी रांची सह सीआईडी एडीजी मनोज कौशिक सड़कों पर घूमते नजर आए।

मनोज कौशिक सबसे पहले डोरंडा स्थित ईदगाह पहुंचे और वहां थाना प्रभारी दीपिका से पूरे सुरक्षा मामले की जानकारी ली। इस दौरान पूरे शहर में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी और फोर्स तैनात रही, जिसमें यातायात पुलिस भी शामिल थी। नमाज के दौरान पूरे शहर में सीसीटीवी कैमरों की निगरानी और ड्रोन की मदद से आसपास के इलाकों पर पैनी नजर रखी गई।

ड्रोन से रखी जा रही नजर : ईद की नमाज के समय रांची पुलिस के द्वारा तैनात किए गए आधा दर्जन से ज्यादा ड्रोन आकाश में उड़ते नजर आए, जिनकी मॉनिटरिंग डीएसपी स्तर के अधिकारी कर रहे थे। ड्रोन की मदद से आसपास की ऊंची बिल्डिंगों की भी तलाशी ली गई थी। पूरी ड्रिल का मकसद सिर्फ यही था कि ईद की नमाज के दौरान किसी भी तरह की कोई भी आसामाजिक तत्व कोई गड़बड़ी न कर सके।

अब सरहुल को लेकर अलर्ट : आईजी सह एडीजी सीआईडी के द्वारा सभी को निर्देश दिए गए कि वह ईद की नमाज अदा करने के बाद सरहुल जुलूस को लेकर अलर्ट हो जाए। दोपहर 2:00 बजे के बाद रांची के विभिन्न इलाकों से सरहुल का शोभा जुलूस निकाला जाएगा। ईद की नमाज को सुरक्षित संपन्न करवाने के बाद अब रांची पुलिस एक बार फिर से अपने काम पर जुट गई है, ताकि सरहुल को भी शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करवाया जा सके।

ईद पर बधाई देते जेएससीए के अध्यक्ष अजय शाहदेव ।

चन्नू खान अशरफ खान ने दी ईद और सरहुल की मुबारकबाद, आपसी भाईचारे का दिया संदेश

रांची : झारखण्डः पूर्व डिप्टी मेयर प्रत्याशी रांची एवं पठान तंजीम केंद्रीय झारखण्ड के संरक्षक चन्नू खान और अशरफ खान ने प्रदेशवासियों को ईद एवं सरहुल पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। अपने जारी प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने कहा कि ईद और सरहुल दोनों ही पर्व प्रेम, सद्भाव और एकता का प्रतीक हैं। ये त्यौहार हमें आपसी भाईचारे, सहयोग और सामाजिक समरसता को मजबूत करने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने आगे कहा कि झारखण्ड की सांस्कृतिक विविधता ही इसकी सबसे बड़ी ताकत है, जहां सभी समुदाय मिल-जुलकर हर पर्व को उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। चन्नू खान एवं अशरफ खान ने लोगों से अपील की कि वे इन पावन अवसरों पर एक-दूसरे के प्रति प्रेम, सम्मान और सहयोग की भावना को और मजबूत करें तथा समाज में शांति और सद्भाव बनाए रखने में अपना योगदान दें। अंत में उन्होंने सभी के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

पिस्का में सरना स्थल पर साल पेड़ की पूजा एवं रंगवा-रंगुली की बलि

मुरी : परम्परागत विधि विधान से सिल्ली के सुदूरवर्ती गाँव पिस्का के सरना स्थल पर सरहुल को लेकर दुर्गा चरण मांझी ने साल वृक्ष की पूजा अर्चना की और रंगवा रंगुली (मुर्गा -मुर्गी) का बलि दिया गया। बलि को सरना स्थल पर ही आग में भुन कर प्रसाद के रूप में ग्रहण किया साथ ही हड़िया को भी प्रसाद के रूप में वितरित किया गया। गाँव के सभी आदिवासी भाईयों ने सरना पूजा स्थल से सरना झंडा लेकर गाँव के हर चौखट दरवाजे पर गए। अपने परिजन और संबंधियों के साथ अबीर गुलाल लगाए।जो परम्परागत रिवाज है। फिर आज ही गाँव से शोभायात्रा के साथ मुख्य आखड़ा लुपुंग टोला के लिए प्रस्थान करेंगे। इस पुरे सरहुल पूजा के कार्य क्रम में रामाकांत बेदिया, महेश्वर , विकास, सीमांत, अजय, डोमन अर्जुन, मुचीराम, रोहिदास आदि ने एकजुटता बनाए रखा। बताया गया कि सरहुल पूजा में साल पेड़ के पास घड़े में रखा पानी को देखकर कर पाहन बताते हैं कि इस साल खेती में बारिश कैसी होगी।

सीसीएल का निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

रांची : सीसीएल जन आरोग्य केन्द्र गांधीनगर द्वारा निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन आज दिनांक 20/03/2026 दिन शुक्रवार को एदलहातु बस्ती में किया गया । इस शिविर में विशेषज्ञों डॉक्टरों ने 157 लोगों की निशुल्क जांच की और डॉक्टरी सलाह दिया। शिविर में विशेषकर हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, हाइपरटेंशन एवं सभी बीमारियों का निःशुल्क जाँच किया गया और सभी को निःशुल्क दवा भी दिया गया। ज्ञात हो कि सीसीएल द्वारा नियमित तौर पर अपने हितधारकों के विभिन्न बीमारियों के उपचार से सम्बंधित इस तरह के स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करता है जिससे हितधारकों को गुणवत्तापूर्वक चिकित्सा मिल सके।

शिविर के सफल आयोजन में डॉ भरत सिंह सीएमओ इंचार्ज गांधीनगर, डॉ प्रीति तिग्गा, सीएमओ, सीएसआर, इंचार्ज, डॉ अनिता होरो, डॉ आशिमा तिग्गा, डॉ स्वाति, डॉ शिखा, डॉ शिल्पी झा, डॉ मेघा, मुन्ना कुमार सिंह, एवम सभी पारा मेडिकल स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा ।

सरहुल : प्रकृति, संस्कृति और सहअस्तित्व का वैश्विक संदेश

डॉ बीरेन्द्र कुमार महतो 'गोतिया'

भारतीय उपमहाद्वीप की सांस्कृतिक परंपराएँ सदियों से प्रकृति के साथ गहरे संबंध को व्यक्त करती रही हैं। झारखंड की धरती पर मनाया जाने वाला सरहुल पर्व इसी परंपरा का एक जीवंत और महत्वपूर्ण उदाहरण है। यह केवल एक धार्मिक या सांस्कृतिक उत्सव नहीं, बल्कि प्रकृति, समाज और मानव जीवन के बीच संतुलन का संदेश देने वाला महान लोकपर्व है। सरहुल हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहने की प्रेरणा देता है और यह याद दिलाता है कि हमारी संस्कृति, हमारी पहचान और हमारा अस्तित्व प्रकृति से ही संभव है।

सरहुल मुख्यतः बसंत ऋतु में मनाया जाता है, जब प्रकृति नव जीवन से भर उठती है। जंगलों में सखुआ (साल) के पेड़ों पर नए फूल खिलते हैं, धरती हरियाली से सज जाती है और वातावरण में एक नई ऊर्जा का संचार होता है। इसी समय झारखंड के आदिवासी और मूलवासी समुदाय प्रकृति के इस नव उत्सव का स्वागत सरहुल पर्व के रूप में करते हैं। यह पर्व इस बात का प्रतीक है कि मनुष्य का जीवन प्रकृति के चक्र से जुड़ा हुआ है। बसंत का आगमन केवल मौसम का परिवर्तन नहीं, बल्कि जीवन के नये आरंभ का संकेत भी है।

इतिहासकारों और लोक परंपराओं के अनुसार सरहुल का संबंध प्रकृति पूजा से जुड़ा हुआ है। आदिवासी समाज सदियों से जंगल, नदी, पहाड़ और धरती को जीवनदाता मानकर उनका सम्मान करता आया है। सरहुल इसी विश्वास का उत्सव है। इस दिन गाँव के सरना स्थल पर पूजा की जाती है, जहाँ सखुआ के फूलों के माध्यम से प्रकृति और धरती माता का आभार व्यक्त किया जाता है। गाँव के पाहन द्वारा सखुआ फूल को पवित्र प्रतीक के रूप में स्थापित किया जाता है और पूरे समुदाय की खुशहाली तथा समृद्धि की कामना की जाती है।

लोकमान्यता के अनुसार सरहुल सूर्य और धरती के विवाह का प्रतीक है। सूर्य जीवन का स्रोत है और धरती जीवन की जननी। जब सूर्य की किरणें धरती को स्पर्श करती हैं, तब खेतों में अन्न उगता है, पेड़ों में फूल और फल आते हैं और जीवन की धारा आगे बढ़ती है। इस प्रकार सूर्य और धरती का यह संबंध मानव जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। सरहुल पर्व इसी दिव्य मिलन की स्मृति और सम्मान का प्रतीक माना जाता है। सरहुल का सबसे सुंदर पक्ष यह है कि यह पर्व केवल पूजा या अनुष्ठान तक सीमित नहीं रहता, बल्कि लोक जीवन के उत्सव में बदल जाता है। गाँवों और शहरों में लोग पारंपरिक वेशभूषा पहनकर नृत्य और गीत के माध्यम से अपनी खुशी व्यक्त करते हैं। मांदर, नगाड़ा और ढोल की थाप पर युवक-युवतियाँ अखड़ा में सामूहिक नृत्य करते हैं। इन गीतों और नृत्यों में प्रकृति के प्रति प्रेम, जीवन की सरलता और सामूहिकता का भाव स्पष्ट दिखाई देता है। यही कारण है कि सरहुल को लोक जीवन और संस्कृति का उत्सव भी कहा जाता है।

यह पर्व झारखंडी समाज में सहजीवन और सहअस्तित्व का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करता है। सरहुल के अवसर पर आदिवासी और मूलवासी समुदाय एक साथ मिलकर इस उत्सव को मनाते हैं। यहाँ जाति, भाषा या सामाजिक भेदभाव का कोई स्थान नहीं होता। सभी लोग एक साथ नाचते-गाते हैं और प्रकृति के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। इस प्रकार सरहुल सामाजिक एकता और सामूहिकता का भी प्रतीक बन जाता है।

आधुनिक समय में जब दुनिया तेजी से विकास और भौतिक प्रगति की ओर बढ़ रही है, तब कई बार मनुष्य प्रकृति से दूर होता जा रहा है। जंगलों की कटाई, पर्यावरण प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन मानव सभ्यता के लिए चिंता का विषय बन चुका है। ऐसे समय में सरहुल का संदेश और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि यदि प्रकृति सुरक्षित रहेगी तभी मानव जीवन भी सुरक्षित रहेगा।

सरहुल हमें यह भी सिखाता है कि विकास और प्रकृति के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। यदि हम अपनी सांस्कृतिक परंपराओं और प्रकृति के प्रति सम्मान को भूल जाएंगे, तो हमारी पहचान भी धीरे-धीरे समाप्त हो जाएगी। इसलिए सरहुल केवल एक पर्व नहीं, बल्कि जीवन का दर्शन है। यह हमें प्रकृति से प्रेम करने, अपनी सांस्कृतिक जड़ों को पहचानने और समाज में एकता बनाए रखने की प्रेरणा देता है।

आज सरहुल का महत्व केवल झारखंड तक सीमित नहीं रहा। यह पर्व धीरे-धीरे एक व्यापक सांस्कृतिक पहचान बनता जा रहा है। झारखंड से बाहर रहने वाले लोग भी इस पर्व को उत्साह और गर्व के साथ मनाते हैं। विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, झांकियों और उत्सवों के माध्यम से सरहुल का संदेश दूर-दूर तक पहुँच रहा है। इस प्रकार यह पर्व स्थानीय संस्कृति से आगे बढ़कर वैश्विक स्तर पर प्रकृति और मानव के संबंध का प्रतीक बन रहा है।

अंततः कहा जा सकता है कि सरहुल हमारी सांस्कृतिक विरासत की अमूल्य धरोहर है। यह हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहने का संदेश देता है और याद दिलाता है कि प्रकृति और संस्कृति ही हमारे अस्तित्व की आधारशिला हैं। जब तक जंगलों की हरियाली, सखुआ के फूल और मांदर की थाप जीवित रहेंगे, तब तक सरहुल का यह पावन संदेश भी जीवित रहेगा। वास्तव में सरहुल हमें यह सिखाता है कि यदि प्रकृति है तो संस्कृति है, और यदि संस्कृति है तो हमारा अस्तित्व है। यही सरहुल का सबसे बड़ा संदेश है - प्रकृति, मानव और संस्कृति के बीच संतुलन और सहअस्तित्व का अमर संदेश।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान संघर्ष के मायने

पिछले कई दिनों से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच लगातार सैन्य संघर्ष जारी है। पाकिस्तान में अलग-अलग जगहों पर हो रहे आतंकी हमलों के लिए अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर हवाई हमले शुरू किए। पाकिस्तान का अफगानिस्तान पर यह आरोप है की अफगान तालिबान तहरीक-ए-तालिबान को समर्थन देता है। पाकिस्तान के में हुए कई हमलों में तहरीक-ए-तालिबान के शामिल होने का आरोप इस्लामाबाद की ओर से लगाया जा रहा है। पाकिस्तान का अफगानिस्तान में आतंकी संघटन आय एस आय एस की मजूदगी का भी दावा है। बीते 3-4 वर्षों से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच रूक-रूक कर झड़पें होती रही हैं। अक्टूबर 2025 में कतर की मध्यस्थता से दोनों पड़ोसियों में शांति समझौते का भी प्रयास किया गया। लेकिन इस्लामाबाद और काबुल किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंचे। कुछ महीनों के विराम के बाद 11 फरवरी से फिर दोनों देशों में जंग छिड़ गई है। अभी भी दोनों तरफ से एक दुसरे की सीमा के अंदर हवाई हमले और सैन्य कार्रवाई जारी है।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान के जटिल रिश्ते

दक्षिण एशिया के इन दो पड़ोसी देशों के रिश्ते हमेशा से जटिल रहे हैं। दोनों देशों के बीच के विवाद की जड़ अंग्रेजो के शासन काल में है। अंग्रेजों के समय में जब भारत और पाकिस्तान का विभाजन हुआ उस वक़्त पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच भी कुछ इलाकों का बंटवारा हुआ। अंग्रेज शासकों ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच एक सीमा रेखा खिंच दी जिसे डुरंड लाईन कहा जाता है। इस डुरंड लाईन से पख़्तून बहुल इलाका पाकिस्तान और अफगानिस्तान में बंट गया। अफगानिस्तान ने इस सीमा रेखा को कभी स्वीकार नहीं किया और पाकिस्तान के हिस्से में गए इलाके (खैबर-पख़्तूनख़्वा) पर भी हमेशा दावा किया है। सीमा विवाद पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच के संघर्ष की एक महत्त्वपूर्ण वजह रही है। सिर्फ द्विपक्षीय मसला नहीं है पाकिस्तान-अफगानिस्तान संघर्ष सीमा विवाद और आतंकवाद- इन दो मुद्दों से पाकिस्तान-अफगानिस्तान का संघर्ष केवल द्विपक्षीय मामला लग सकता है। लेकिन इस जंग के मायने और परिणाम सिर्फ दो देशों तक सीमित नहीं हैं। एक, इस वक़्त दुनिया में अनेक युद्ध चल रहे हैं, जैसे रूस-यूक्रेन युद्ध और इस्राएल-हमास युद्ध। अमेरिका भी ईरान पर हमले की तैयारी कर रहा है। ऐसे में एक और युद्ध से विश्व में अस्थिरता, असुरक्षितता और आर्थिक अनिश्चितता और बढ़ेगी। दूसरा, हाल के समय में पाकिस्तान और अमेरिका के बीच बढ़ती नजदीकियों को देखकर इससे इनकार नहीं किया जा सकता की अमेरिका इस जंग के जरिये अपना हित साधने की कोशिश करे। अगर अमेरिका मध्यस्थता करके दोनों देशों में शांति प्रस्थापित करता है तो अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प इसे खुद की कामयाबी बता सकते हैं और अपने आप को नोबेल शांति पुरस्कार मिलने योग्य बता सकते हैं। तीसरा, अमेरिका यह भी चाहेगा की रूस किसी तरह अफगानिस्तान की मदद करे। अगर ऐसा होता है तो संभव है रूस का ध्यान यूक्रेन से भटके। इससे यूरोप ऊपर लगातार मंडरा रहा जंग का खतरा कुछ हद तक कम होगा। अमेरिका की कोशिशों से अगर यह हो पाता है, तो अमेरिका के यूरोपीय देशों से रिश्ते सुधर सकते हैं। डोनाल्ड ट्रम्प के दुसरे कार्यकाल में अमेरिका और यूरोप के रिश्तों में काफी कड़वाहट पैदा हुई है। चौथा, अगर रूस अफगानिस्तान की प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मदद नहीं करता, और अमेरिका इस युद्ध को रोकने में कामयाब होता है, तो इससे अमेरिका अफगानिस्तान से भी अपनी नजदीकियां बढ़ाने की कोशिश करेगा। अफगानिस्तान में प्राकृतिक संसाधन और खनिजों का बहुत बड़ा भंडार है, जिसका फायदा अमेरिका लेना चाहेगा।

भारत और पाकिस्तान-अफगानिस्तान युद्ध

इस युद्ध के भारत के लिए भी कई मायने हैं।

एक, अगर यह युद्ध लंबे समय तक चलता रहा तो इससे दक्षिण एशिया में अस्थिरता बढ़ेगी और पूरे प्रांत की सुरक्षा को खतरा पैदा हो सकता है। दक्षिण, पश्चिम और मध्य एशिया से भारत के कई आर्थिक और रणनीतिक हित जुड़े हुए हैं जिनपर यह युद्ध असर डाल सकता है। सबसे पहले तो अफगानिस्तान भारत के लिए मध्य एशिया में पहुंचने का एक महत्त्वपूर्ण जरिया हैं। भारत इस वक़्त चाबहार बंदरगाह और अंतरराष्ट्रीय उत्तर दक्षिण परिवहन गलियारा इन दो प्रकल्पों पर काम कर रहा है जो भारत को ईरान और अफगानिस्तान के जरिये मध्य एशिया से जोड़ते हैं। इन गलियारों का व्यापर और सामान की आवाजाही के लिए परिक्षण भी हो चूका है। पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच अगर लंबी जंग चलती है तो इसका असर भारत के मध्य एशियाई देशों के साथ व्यापार पर होगा। दूसरा, कूटनीति के मामले में अफगानिस्तान फिलहाल दुनिया के कई देशों के लिए एक जटिल समस्या है। इस वक़्त अफगानिस्तान के साथ बहुत काम देशों के कूटनीतिक रिश्ते हैं। भारत ने भी अफगानिस्तान के तालिबान शासन को मान्यता नहीं दी है। लेकिन भारत ने अफगानिस्तान से अपने रिश्ते कायम रखे हैं। संतुलित कूटनीति द्वारा भारत ने इस क्षेत्र में अपने हित संभाले हैं। पाकिस्तान-अफगानिस्तान का संघर्ष और इसमें दुसरे देशों का दखल देने से शायद भारत को अपने मध्य एशिया नीति पर पुनर्विचार करना पेड़ सकता है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच का संघर्ष सिर्फ दक्षिण एशिया के लिए ही नहीं बल्कि पूरे एशिया और दुनिया के लिए भी चिंता का विषय है। इस संघर्ष का जारी रहना विश्व की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा को असंतुलित कर सकता है।

युद्ध ने तोड़ी कई धारणाएं, कम नहीं होतीं अमेरिकी बाधाएं

> किसी भी आपात स्थिति से मुकाबले के लिए यहां आम नागरिकों के लिए भी सैन्य प्रशिक्षण इस देश को विशेष बनाता है। दुनिया की ऐसी दो बड़ी ताकतें एक साथ मिलकर लंबे समय से कई तरह के प्रतिबंध झेल रहे ईरान पर हमला करें, तो सहज परिणाम की कल्पना की जा रही थी। युद्ध के खिंचते चले जाने से यह धारणा टूटने लगी कि सोवियत संघ के बिखराव के बाद विश्व अमेरिका के पीछे एकध्रुवीय हो गया

डॉ. प्रभात ओझा

विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहलाने वाला अमेरिका इसके अलावा भी कई कारणों से पहचाना जाता है। दूसरे वर्ल्ड वॉर के बाद से सुदृढ़ होती उसकी आर्थिक व्यवस्था ने उसे अत्यधिक मजबूत बनाया। अपने प्राकृतिक संसाधनों के बूते उसने विश्व बाजार में दावेदारी पक्की कर ली। आज अमेरिकी डॉलर के दबदबे और सैन्य शक्ति के प्रभाव में उसका जवाब नहीं।

कमोबेश यही स्थिति इजराइल की है, जो अपनी कुशल आधुनिक सेनाओं और खुफिया एजेंसी मोशाद के लिए प्रसिद्ध है। किसी भी आपात स्थिति से मुकाबले के लिए यहां आम नागरिकों के लिए भी सैन्य प्रशिक्षण इस देश को विशेष बनाता है। दुनिया की ऐसी दो बड़ी ताकतें एक साथ मिलकर लंबे समय से कई तरह के प्रतिबंध झेल रहे ईरान पर हमला करें, तो सहज परिणाम की कल्पना की जा रही थी। युद्ध के खिंचते चले जाने से यह धारणा टूटने लगी कि सोवियत संघ के बिखराव के बाद विश्व अमेरिका के पीछे एकध्रुवीय हो गया है। ईरान के साथ युद्ध के 14 वें-15वें दिन अमेरिका ने खुद दुनिया के देशों से एक अपील कर इस धारणा को खत्म कर दिया कि वह किसी से भी अकेले लड़ने में सक्षम है। राष्ट्रपति ट्रंप की इस अपील में अमेरिका की लाचारी झलकने लगी कि साथी देश होर्मुज जलडमरू क्षेत्र को खुला, सुरक्षित और स्वतंत्र बनाने में सहयोग करें। ईरान के साथ इजराइल और अमेरिका के संघर्ष के चलते इस क्षेत्र से तेल और गैस आपूर्ति रुक गई। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर ट्रंप ने इस तरह की अपील ब्रिटेन, जापान, दक्षिण कोरिया सहित चीन से भी कर डाली। यह अपील ऐसे समय आई, जब कहा जा रहा था कि ईरान के पीछे चीन भी कई तरीकों से खड़ा है। अमेरिका की बौखलाहट को उसकी ओर से ईरान के खार्ग द्वीप पर किए हमले से समझा जा सकता है। ईरान के तेल का करीब 90 फीसद यहीं से निर्यात होता है। ईरान ने दावा किया कि अमेरिका हमले में तेल के बुनियादी ढांचे पर फर्क नहीं पड़ा। देखने की बात है कि इस हमले का वैश्विक तेल बाजार पर कितना असर होगा। भले तेल के बुनियादी ढांचे पर फर्क न पड़े, पर सैन्य तनाव तेल आपूर्ति में बाधक ही होगा। दो हफ्ते से भी अधिक समय तक ईरान भी अमेरिकी और इजराइली हमलों का माकूल जवाब देता हुआ लगा। उन खाड़ी देशों में भी हमले हुए जहां अमेरिका ने अपने सैन्य अड्डे बना रखे हैं। कतर, कुवैत, सऊदी अरब, यूएई और बहरीन में मिसाइल, ड्रोन या इंटरसेप्शन के मामले दिखे। इन देशों ने सुरक्षात्मक स्थिति बनाए रखना सही समझा। समय के साथ उनका अमेरिका पर भरोसा खत्म हो जाए तो इसमें आश्चर्य नहीं।

अपनी दुर्गति देख अमेरिका ईरान से वापसी का फैसला कर ले, तो यह आश्चर्य की बात नहीं होगी। वेनेजुएला में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़कर अमेरिका ले आना लोगों को याद है। इस ताजा घटना के बाद मानवाधिकारों के उल्लंघन, हत्याओं के दोषी और मादक पदार्थों की तस्करी जैसे मामलों में निकोलस पर अमेरिका में ही मुकदमा चल रहा है। उनकी पत्नी पर मादुरो को सहयोग करने के आरोप हैं। दोनों को किस तरह की सजा मिल सकती है, इस पर वर्ल्ड मीडिया को कोई शक नहीं है। यह जरूर है कि अमेरिका अब भारत सहित कई देशों को वेनेजुएला से तेल खरीदवाने की नीति पर काम कर रहा है। रूस से तेल लेने की कथित छूट की उसने समय सीमा तय करने का दावा किया।

अब ईरान पर हमले में इजराइल के साथ उतरने का अमेरिकी मकसद भी आर्थिक अधिक है। हालांकि उसे वेनेजुएला जैसी सफलता नहीं मिल सकी है। दुनिया में अमेरिका के कुछ प्रमुख सैन्य अभियान पहले भी असफल हो चुके हैं अथवा उसके दुष्परिणाम भुगतने पड़ रहे हैं। इराक का मामला लोगों के जेहन से शायद उतर गया हो। वर्ष 2003 में इराक में उसके दखल से बाथ पार्टी की सरकार जरूर गिर गई। तीन साल के अंतराल पर 2006 में बगदाद के उत्तरी उपनगर काजिमैन के इराकी-अमेरिकी संयुक्त सैन्य अड्डे ह्यकैंप जस्टिसह्ल में सद्दाम हुसैन को फांसी दे दी गई थी। इसके बावजूद सब कुछ अमेरिका के अनुकूल नहीं रहा। साल 2011 में वापसी के बाद 2014 में उसे फिर से इराक में दखल देना पड़ा था।

ऐसी प्रमुख घटनाओं में इसके पहले 1975 में वियतनाम युद्ध के बीच अमेरिका को अपनी सेनाएं वापस बुलानी पड़ी थी, तो अफगानिस्तान में तो लगभग दो दशक तक काबिज रही अमेरिकी सेनाएं 2021 में वापस आने को मजबूर हुईं। इन प्रमुख देशों के अतिरिक्त अन्य कई जगह अमेरिकी सेना उतारी गई, पर सामान्य तौर पर इस कवायद में मनोनुकूल सफलता नहीं मिली। कुछ विश्लेषक कहते हैं कि अमेरिका इस धारणा को तोड़ना चाहेगा। इसलिए वह अपनी सेनाओं को सीधे ईरान की धरती पर नहीं उतारना चाहता। कुछ और दिनों तक ईरान के सुदृढ़ आर्थिक ठिकानों को वह निशाने पर रखेगा। सुप्रीम लीडर को मारने के बावजूद अमेरिका के हाथ पूरी सफलता नहीं लगी। फिर ईरान की आर्थिक कमर तोड़ने और परमाणु क्षमता समाप्त करने का दावा करते हुए उसके अपना मकसद पूरा होने की घोषणा करने की उम्मीद जरूर बंधी। आखिर व्हाइट हाउस के एआई और क्रिप्टो प्रमुख डेविड ने भी तो यही सलाह दी। डेविड का कहना था कि यह अमेरिका के लिए अच्छा मौका है, जब वह अपनी जीत बताते हुए ईरान से निकल आए।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

संभावना के महासागर का मंथन

> नियति के ऐसे मनमोहक परिदृश्य को निहारते हुए अरण्य निवासी योवनाओं के प्रणय गीतों का गुंजायमान मद्धिम स्वर भी सुनाई देने लगा है। ऐसे रसमय वातावरण में लगता है कि सनातन संस्कृति के प्रतीक नव संवत्सर के स्वागत हेतु नियति नटी ने अपना वैभव लुटाना शुरू कर दिया है। अतः प्रकृति की इस वैभवी कृपा को प्रणाम करते हुए, नव संवत्सर २०८३ का हर्षोल्लास पूर्वक स्वागत अभिनन्दन किया जाना चाहिए।

डॉ. उमेश चन्द्र शर्मा

हमारी गौरवमयी एवं समृद्ध सनातन सांस्कृति परंपरा के महान पर्व गुड़ी पड़वा, हिंदू नववर्ष पर सब तरफ हर्षोल्लास का वातावरण निर्मित होता हुआ दिखाई देता है। नववर्ष आगमन में प्रकृति ने नूतन साज शृंगार कर लिया है, चन्द्रमा की ओजपूर्ण किरणें वनस्पति जगत सहित हमारे तन मन को आप्लावित करने लगी है, कहीं किसी वृक्ष पर बैठी कोयल मीठे स्वरों में कुहुकने लगी है, गुलाब मोगरा, चमेली, आम, नीम, महुआ की मदमय सुगंध सुरभि जीवन को नई ऊर्जा, नई चेतना एवं नया आयाम देने लगी है, किंशुक सुमन ने अपने मनभावन ओर आग उगलते रंग से हमारे मनोभावों को उद्दीप्त कर दिया है और अमलतास एवं गुलमोहर का उन्मादित सौंदर्य सिर चढ़कर बोलने लगा है। नियति के ऐसे मनमोहक परिदृश्य को निहारते हुए अरण्य निवासी योवनाओं के प्रणय गीतों का गुंजायमान मद्धिम स्वर भी सुनाई देने लगा है। ऐसे रसमय वातावरण में लगता है कि सनातन संस्कृति के प्रतीक नव संवत्सर के स्वागत हेतु नियति नटी ने अपना वैभव लुटाना शुरू कर दिया है। अतः प्रकृति की इस वैभवी कृपा को प्रणाम करते हुए, नव संवत्सर २०८३ का हर्षोल्लास पूर्वक स्वागत अभिनन्दन किया जाना चाहिए। उत्सव प्रधान हमारे देश में उत्सवी दिनों को पूरी जिंदादिली से मनाया जाता रहा है, और चूंकि हिंदू नववर्ष गुड़ी पड़वा हमारी गौरवमयी एवं समृद्ध सनातन संस्कृति का महत्वपूर्ण धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्व है, इसलिए गुड़ी पड़वा पर हमारी उत्सव धर्मिता की अभिव्यक्ति भी स्वाभाविक ही है। हिंदू नववर्ष के शानदार आगाज से अंतर्मन आनंद की उन्मादकारी सीमाओं को छू लेने को आतुर है, ऐसे रंगारंग उत्सवी माहौल में हमारी सांस्कृतिक परंपराएं भी हमें अपने महाभावों को अभिव्यक्त करने हेतु प्रेरित करती है। अतः महान आध्यात्मिक वैभव से युक्त पंचाक्षर ₹नमः शिवाय₹ और सनातन आध्यात्मिक संस्कृति के महानतम वंदनीय वाक्यों ₹जय श्री राम₹ और जय श्री ₹कृष्ण₹ के महाबोधि संबोधन से हम समवेत स्वरों में सनातन संस्कृति के महापर्व नववर्ष २०८३ गुड़ी पड़वा का स्वागत अभिनन्दन करते हुए नववर्ष के आगमन पर विश्व में शांति और सभी प्राणियों के कल्याण के निमित्त अति प्रासंगिक एवं समीचीन यह शुभमङ्गलकामना करते हैं, कि ₹सभी सुखी हों, सभी निरोगी हों, सभी का जीवन मंगलमय हो, और किसी को भी कोई दुःख न हो।

सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः,सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चित दुःख भागभवेत।

गुड़ी पड़वा से आरंभ नव संवत्सर संपूर्ण विश्व के लिए सुख समृद्धि दायक, अहिंसा, शांति और सौहार्द का संदेश वाहक तथा वैभव कारक होगा और हम जीवन में सर्वोच्च सफलताओं की और अपने कदम बढ़ाते हुए अविरल गति से निरंतर आगे बढ़ते जाएंगे।

जीवन में सर्वोच्चता की और बढ़ने की यह संकल्प शक्ति ही यकीनन हमें एक बेहतर कल की तरफ ले जाती है, जहां से उत्कर्ष का मार्ग प्रशस्त होता है, और उस मार्ग पर चलते हुए हम अपनी मंजिल तक पहुंचने में कामयाब हो सकते है, किंतु जीवनपथ में आने वाली वास्तविकताओं को भी हम नहीं नकार सकते, इसलिए उन्हें दृष्टिगत रखते हुए ही हमें अपने उद्देश्य प्राप्ति की दिशा में अग्रसर होना है।

जीवन के आलोक पथ पर अग्रसर होते हुए मानसिक स्तर पर चाहे हम सागर की अनंत गहराइयों को पा जाएं अथवा विंध्याचल की शैल शृंखलाओं को अपनी फौलादी बांहों में भर लें, किंतु वास्तविकताओं की विराटता भी हमें बार बार अपनी जमीनी हकीकत बताती ही रहती है, ऐसे में जीवन की वास्तविकताओं से रूबरु होते हुए एवं एक एक दिन के मैदानी अनुभव से ही श्रेष्ठता के आयामों को छुआ जा सकता है। महान उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु उठे कदम अंततः अपनी मंजिल पर पहुंच ही जाते हैं, किंतु जीवन पथ पर आगे बढ़ते हुए हमें यह समझना होगा कि रास्ते कभी भी सीधे सपाट नहीं हुआ करते हैं, इसलिए कठिन रास्तों से गुजरने की क्षमताएं भी हमें पहले ही विकसित करनी होगी, साथ ही हौसलों की बुलंदियों को बरकरार रखना होगा, क्योंकि एक वह हौसला ही तो है, जो भूतकाल की असफलताओं को नई सफलताओं में तब्दील कर देता है, और एक मुकम्मल जहां हमारे हाथों में सौंप देता है। जीवन में आगे बढ़ते हुए कदाचित ऐसे से मोड़ भी आते हैं जब धैर्य ही हमारा आदर्श मित्र साबित होता है, क्योंकि धैर्यहीनता ही एक ऐसी बेड़ी है, जो हमारे कदमों को बरबस ही थाम लेती है, तब दिखाई दे रही मंजिल भी सहसा ही दूर दिखाई देने लगती है, और तब उस गतिमान समय की परिधि में आबद्ध हम लोग सहसा ही विचलित हो कर नियति पर नाराज हो जाते हैं, और तब व्यथा की विपरीतता में कह उठते हैं कि एक एक क्षण पहाड़ बन गया है, और जब खुशी का अवसर मिलता है तो कहने लगते हैं कि समय कितना जल्दी व्यतीत हो गया, ऐसा लगता है कि जैसे बात आजकल की ही हो, किंतु वह क्षण न तो पहाड़ की मानिंद था, और न ही चींटी द्वारा ले जाए जा रहे एक महीन कण की तरह अतिलघु ही था, वक्त का वह कतरा परिंदे की तरह आसमान को अपने आगोश में भर लेने के कथित मानसिक भावों से युक्त भी नहीं था, वास्तविकताओं में हमने ही उसे अपने संकीर्ण सुख-दुःखों से, हानि लाभ से या फिर जय-पराजय से संयुक्त कर दिया था, शायद इसीलिए वह शुचि वक्त अच्छा या खराब नाम पा गया। दरअसल वह कालचक्र के परिक्रमा पथ का एक नन्हा सा हिस्सा था, समय का वह एक कतरा था, जिस पर दौड़ते हुए हम कभी उत्कर्ष पर पहुंचे थे, और वह भी समय का ही एक कतरा था, जिस पर चलते हुए कदाचित हम लड़खड़ाते हुए गिर पड़े थे, और तब उस गतिमान शुचि समय को हमारे ही द्वारा कई संज्ञाओं से विभूषित कर दिया गया था, जबकि समय के उसी प्रवाह ने अन्य अनगिनत लोगों को अमृत तत्व से अभिसिंचित भी किया। निश्चित तौर पर उस एक ही समय को देखने का हमारा नजरिया तात्कालिक लाभ हानि के अल्पकालिक प्रवाह से ही संयुक्त था, शायद इसीलिए अनुभूतियां भी पृथक पृथक रूप ग्रहण कर गईं।

समय के उसी महावैभवी पथ पर एक तरफ जहां फूलों की सौंदर्य सुरभि समाई है, वहीं कंटक भी बिखरे पड़े हैं। यह वही पथ है जो एकबारगी हमें लहूलुहान कर देता है, किंतु संभावनाओं का अनन्त सागर भी तो वहीं से आकार ग्रहण करता है। यही है वह अरण्यपथ जो कठिन है, किंतु असीम संभावनाओं एवं उपलब्धियों से युक्त भी है। शायद यही है वह उपलब्धियो से ओतप्रोत रास्ता जिस पर चलते हुए दुविधाओं की सड़ांध समाप्त हो जाती है, और उद्देश्य पूर्ण यात्रा के फूल खिलते हुए दिखाई देते हैं, किंतु हमें यह समझना होगा कि यात्रा की इस सुख सुरभि में कांटों की वेदना भी समाई होती है, इसलिए प्रत्येक कदम सम्हाल कर रखने की जरूरत पेश आती है, क्योंकि कठिन कंटकाकीर्ण मार्ग को, अरण्यपथ को चुन लिया है जिसने, परीक्षाओं के सिलसिले उसके समक्ष कतारबद्ध खड़े नजर आते ही हैं। सफलताओं के ये आसान से लगने वाले रास्ते परीक्षाओं की वह पूर्व दिशा है, जिसे बादलों ने आच्छादित कर रखा है, किंतु सतत प्रयासों रुपी पुरुषार्थ उन्हें छिन्न भिन्न कर देता है, ओर सफलता रुपी स्वर्णिम प्रभात की नूतन रश्मियां प्रस्फुटित हो ही जाती है। कठिनाइयों के उन बेतरतीब सिलसिलों से होकर ही सफलताओं के महाद्वार खुलते हैं। यही है, वह दिव्यतम सुख की अनुभूति का महाद्वार, जहां से आसमानी बुलंदियां हमारे स्वागत समारंभ हेतु तत्पर दिखाई देती है। यही है वह चिरंतन शाश्वत सत्य के अनुसंधान का पथ जहां पर आगे बढ़ जाने पर फिर होकर भी नहीं होने की विराट संभावनाएं दस्तक देने लगती है। यही है वह अमृत का महाकोश, युग युगान्तर से जिसे हम खोजते आए हैं, और जिसकी छत्रछाया ने अनगिनत मानवों को महामानव के रूप में स्थापित कर दिया है।

जब पुत्र गणेश ने मां पांर्वती को दिया था दिव्य वरदान

भगवान गणेश को प्रथम पूज्य देवता और विघ्नहर्ता भी कहा जाता है। वह मां पार्वती के प्रिय और आज्ञाकारी पुत्र हैं। मां पार्वती ने अपने शरीर के मैल और दिव्य शक्ति से गणेश का जन्म किया था। मां-पुत्र का यह संबंध बेहद पवित्र और अनोखा है। इसमें भक्ति और ममता का गहरा भाव छिपा है। भगवान गणेश ने अपनी मां देवी पार्वती की आज्ञा का पालन करने के लिए अपना मस्तक तक कटवा दिया था। जिसके बाद उनको हाथी का सिर लगाकर पुनर्जीवित किया गया था। साथ ही भगवान गणेश को सभी देवताओं में प्रथम पूज्य होने का आशीर्वाद भी मिला था। ऐसा भी माना जाता है कि मां पार्वती ने भगवान गणेश को एक मां के रूप पर सभी तरह की शिक्षा प्रदान की थी। वहीं पुत्र के तौर पर श्रीगणेश ने भी उन सभी शिक्षाओं

को ग्रहण किया था। लेकिन एक घटना ऐसी है, जब भगवान गणेश ने अपनी मां देवी पार्वती को एक वरदान दिया था।

क्या दिया था वरदान

पौराणिक कथाओं के मुताबिक भगवान गणेश ने अपनी मां देवी पार्वती को एक महत्वपूर्ण और विशेष वरदान दिया था। बता दें कि यह वरदान विशेष रूप से संकष्टी चतुर्थी के व्रत से संबंधित है। जिसको माताएं अपनी संतान की सुख-समृद्धि और लंबी आयु के लिए रखती हैं। मां पार्वती ने अपने पुत्र गणेश के लिए एक खास व्रत और पूजा की थी। जिसको आज संकष्टी चतुर्थी के रूप में जाना जाता है। तब श्री गणेश ने अपनी मां पार्वती की भक्ति और प्रेम से अति प्रसन्न हुए थे। ऐसे में भगवान गणेश ने मां पार्वती से प्रसन्न होकर उनको एक दिव्य वरदान दिया था।

भगवान गणेश ने वरदान दिया था कि जो भी नारी इस संकष्टी चतुर्थी का व्रत पूरी भक्ति और श्रद्धा के साथ करेगी, उनको भगवान गणेश के जैसे स्नेही, आज्ञाकारी, स्नेही, यशस्वी और दीघार्यु संतान की प्राप्ति होगी। वहीं माताओं पर मां पार्वती की असीम कृपा बनी रहेगी।

भगवान गणेश ने इस वरदान के जरिए अपनी मां के मातृत्व सुख को संसार की सभी माताओं तक पहुंचाने का आशीर्वाद दिया था। यह वरदान सिर्फ संतान प्राप्ति के लिए नहीं था बल्कि संतान के जीवन में आने वाले सभी संकटों को हरने वाला भी था। क्योंकि भगवान गणेश स्वयं 'विघ्नहर्ता' हैं।

इसलिए आज भी माताएं संकष्टी चतुर्थी के दिन भगवान गणेश का व्रत करती हैं। जिससे कि उनके संतान को भी भगवान गणेश जी के जैसा सुख-सौभाग्य मिले और सभी तरह के विघ्नों से मुक्ति मिल सके। माता पार्वती को यह वरदान पुत्र-प्रेम की पराकाष्ठा के रूप में मिला था।

टिप्स

ये है 'जादुई' गंधराज नींबू,

सेहत के लिए नींबू का सेवन काफी फायदेमंद माना जाता है। वहीं मार्केट में नींबू की कई तरह की वैरायटी मिलती है। जिनको देखकर लोगों के मन में उत्सुकता बढ़ने के साथ इसको खाने के क्या फायदे हैं या इनका कैसे सेवन करना चाहिए। इस तरह के सवाल भी मन में आते हैं। मार्केट में गंधराज नींबू भी देखने को मिलता है। यह एक खास किस्म का नींबू होता है। जोकि भारत के पूर्वी हिस्से में पाया जाता है। इसका साइज नॉर्मल नींबू से बड़ा होता है और खुशबू भी काफी तेज होती है। वहीं गंधराज नींबू नॉर्मल नींबू से ज्यादा खट्टा और फ्रेश होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गंधराज नींबू के फायदे और इसके सेवन करने से तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

जानिए गंधराज नींबू के फायदे : गंधराज नींबू में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जोकि सेहत के लिए काफी फायदेमंद माने जाते हैं। गंधराज नींबू का सेवन करने से आपको कई तरह के फायदे मिल सकते हैं।

बेहतर होगा पाचन : गंधराज नींबू में एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। जोकि पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। गंधराज नींबू का रस अपच, गैस और कब्ज की समस्या को दूर करने में मदद करता है। खाने के साथ या खाना खाने के बाद इसके सेवन से खाना जल्दी पच जाता है।

इम्यूनिटी बूस्ट : यह नींबू विटामिन सी से भरपूर होता है। जो आपके इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है। गंधराज नींबू के सेवन से वायरल इंफेक्शन, मौसमी बुखार और सर्दी-खांसी जैसी बीमारियों से भी बचाव किया जा सकता है।

वेट लॉस में करने में मददगार : वेट लॉस की चाह रखने वाले लोगों के लिए भी गंधराज नींबू फायदेमंद होता है। रोजाना सुबह खाली पेट गुनगुने पानी में इसका रस मिलाकर पीने से मेटाबॉलिज्म तेज होता है और शरीर की अधिक चर्बी कम होती है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

उपायुक्त के जनता दरबार में ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान का आश्वासन

जनता दरबार में विकास का खाका तैयार हर घर पानी-बिजली देने का लक्ष्य तय

- सड़क पानी बिजली और रोजगार पर फोकस पोखरिया पहाड़ में प्रशासन की पहल
- दुर्गम क्षेत्र पोखरिया पहाड़ पहुँचा जिला प्रशासन 36 परिवारों की समस्याएं सुनी गईं

संवाददाता

साहिबगंज :जिले के सुदूरवर्ती एवं दुर्गम क्षेत्र पोखरिया पहाड़ में उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में विशेष जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रशासनिक टीम ने सीधे ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुना तथा सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं मूलभूत सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया।जनता दरबार में अनुमंडल पदाधिकारी अमर जॉन आईन्द, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता, प्रखंड विकास पदाधिकारी बोरियो सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक प्रशासन की सीधी पहुँच सुनिश्चित करना तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करना था।कार्यक्रम की शुरूआत उपायुक्त द्वारा पोखरिया पहाड़ में निवास कर रहे 36 परिवारों के गांव एवं घरों के भ्रमण से हुई। इस दौरान उन्होंने प्रत्येक परिवार से मिलकर उनकी दैनिक जीवन से जुड़ी समस्याओं सरकारी योजनाओं के लाभ की स्थिति व आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता के बारे में विस्तृत

जानकारी प्राप्त की। ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं को खुलकर रखा, जिनमें सड़क, पेयजल, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दे प्रमुख रूप से सामने आए।अपने संबोधन में उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन का उद्देश्य केवल योजनाओं का संचालन करना नहीं बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक उसका लाभ समयबद्ध तरीके से पहुंचे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पोखरिया पहाड़ के विकास को प्राथमिकता देते हुए सभी समस्याओं का चरणबद्ध समाधान किया जाएगा।सड़क सुविधा के संबंध में उपायुक्त ने बताया कि गांव तक पहुँचने के लिए लगभग 8 किलोमीटर लंबा एकमात्र रास्ता है, जो वर्तमान में जर्जर स्थिति में है। उन्होंने कहा कि इस सड़क के निर्माण हेतु शीघ्र ही प्राक्कलन तैयार कर संबंधित विभाग को भेजा जाएगा। वित्तीय वर्ष 2026-27 में इस सड़क की स्वीकृति मिलने की पूरी संभावना है।जिससे क्षेत्र के लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी।पेयजल संकट को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिया कि पोखरिया के निकट स्थित प्राकृतिक झरने से पानी लाकर एक जल टंकी का निर्माण किया जाएगा। इसके माध्यम से हर घर तक नल के जरिए स्वच्छ पेयजल पहुंचाने की योजना बनाई गई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि अप्रैल माह तक प्रत्येक घर में पानी उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।जिससे ग्रामीणों को लंबे समय से चली आ रही जल समस्या से निजात मिलेगी।

बिजली व्यवस्था को लेकर भी महत्वपूर्ण घोषणा की गई। उपायुक्त ने बताया कि मूजी योजना के अंतर्गत गांव के सभी 36 घरों को विद्युत कनेक्शन प्रदान किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर करते हुए अप्रैल माह के अंत तक पूर्ण किया जाए, ताकि हर घर में रोशनी पहुंच सके।शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के लिए उपायुक्त ने उत्क्रमित मध्य विद्यालय पोखरिया का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय भवन की जर्जर स्थिति को देखते हुए उन्होंने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुरानी इमारत को हटाकर नई आधुनिक भवन का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही विद्यालय परिसर में शौचालय व किचन शेड का भी निर्माण कराया जाएगा जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके।स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने बताया कि क्षेत्र के सभी पात्र ग्रामीणों को पीवीटीजी पेंशन का लाभ दिया जा रहा है। इसके साथ ही सभी योग्य लाभुकों को आयुष्मान भारत योजना के तहत आयुष्मान कार्ड उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके।युवाओं के लिए रोजगार कौशल विकास के अवसर बढ़ाने पर भी विशेष जोर दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी एवं कौशल विकास विभाग के माध्यम से युवाओं को विभिन्न ट्रेड में प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के उपरांत उन्हें रोजगार से जोड़ने की व्यवस्था की जाएगी। इसके लिए टीम द्वारा ग्रामीण युवाओं का बायोडाटा एवं आधार कार्ड एकत्र किया जा रहा है। ताकि उन्हें उपयुक्त प्रशिक्षण एवं रोजगार उपलब्ध कराया जा सके।महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए भी विशेष पहल की गई है। उपायुक्त ने बताया कि लघु कुटीर उद्योग विभाग की टीम महिलाओं से संवाद कर उन्हें बांस शिल्प अन्य हस्तशिल्प से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान करेगी। इससे महिलाएं स्वरोजगार से जुड़कर आत्मनिर्भर बन सकेंगी तथा उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।जनता दरबार के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल भी लगाए गए, जिनके माध्यम से ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी एवं लाभ प्रदान किया गया। इन स्टॉलों में जन्म प्रमाण पत्र, बिरसा हरित ग्राम योजना राजस्व विभाग कृषि आत्मा विभाग शिक्षा विभाग पलाश आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना और मनरेगा जॉब कार्ड से संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। ग्रामीणों ने इन स्टॉलों का लाभ उठाते हुए आवश्यक दस्तावेजों के लिए आवेदन किया एवं योजनाओं की जानकारी प्राप्त की।कार्यक्रम के अंत में उपायुक्त ने कहा हमारा लक्ष्य आपकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान करना है।ताकि आप सभी को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। जिला प्रशासन आपके साथ है। और हर संभव सहायता के लिए प्रतिबद्ध है।

न्यूज IN ब्रीफ

जमीनी स्तर पर कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके : विजय राम

साहिबगंज/तालझारी :सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तालझारी के सभागार में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रंजन कुमार की अध्यक्षता में मासिक समीक्षा बैठक सह एचपीवी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।बैठक में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित सभी वर्तमान योजनाओं और कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक विजय राम ने एचपीवी ह्यूमन पैपिलोमा वायरस से संबंधित टीकाकरण पर विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दिया और इसके महत्व को समझाया।प्रशिक्षण के दौरान सभी सहिया कार्यकताओं को एचपीवी वैक्सीनेशन के लिए ड्यू लिस्ट तैयार करने हेतु आवश्यक प्रपत्र भी उपलब्ध कराए गए। साथ ही सहिया ऐप के उपयोग व कार्यप्रणाली पर भी विस्तार से चर्चा की गई। ताकि जमीनी स्तर पर कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।मौके पर प्रखंड लेखपाल देवनारायण रविदास, यूनिसेफ के एसडीसी विनोद शर्मा, राकेश कर्मकार, एसएस यूनिसेफ सहित सभी सहिया साथी एवं सहिया पर्यवेक्षक अवधेश कुमार और राजकुमार पंडित उपस्थित रहे।

माह-ए-रमजान अलविदा जुमा पर मस्जिदों में अदा की गई विशेष नमाज

साहिबगंज : माह-ए-रमजान के छठे दिन पर ईद मे शहर के विभिन्न मस्जिदों में विशेष नमाज अदा की गई है।मस्जिदों में नमाजियों की काफी भीड़ देखी गई है। साथ ही शहर के मस्जिदों में नमाजियों की भीड़ उमड़ने लगी थी। जामा मस्जिद के पेश इमाम मुफ़्ती अंजर हुसैन कासमी ने अपनी तकरीर में माह-ए-रमजान में इबादत की फजीलत पर रौशनी डालते हुए कुरआन व हदीस से कई जानकारी दी।बताया कि साहिब-ए-निसाब पर जकात फर्ज है।वहीं कहा कि लोग जान-माल का सदका अदा करें।खास कर इन रकम से अपने आसपास के गरीब-गुरबा की मदद करे।ईद की खुशी में सभी लोग शामिल हो सके।ईद की नमाज से पहले सदका ए फितर अदा करें।नमाज के बाद देश मे अमन व शांति के लिए दुआ की गई है।शहर के स्टेडियम रोड कब्रिस्तान में अपने पूर्वजों को ईद का मुबारक बाद दिया और वही एलसी रोड मस्जिद स्थित छोटी मस्जिद कुलीपाड़ा, हबीबपुर सकरोगढ,मजहर टोला,इकरा कॉलोनी,अली नगर,अंजुमन नगर व अन्य मस्जिदों में जुमा की विशेष नमाज अदा की गई।

साइबर ठग नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं : थाना प्रभारी

साहिबगंज: जिला में साइबर ठगी का एक नया मामला सामने आया है।जहां बैंक ऑफ इंडिया में इंश्योरेंस सेक्टर में कार्यरत कर्मी रतन वर्मा को एक मोबाइल एप्लीकेशन डाउनलोड करना महंगा पड़ गया। एप डाउनलोड करने के बाद उन्हें विदेशी नंबरों से फोन और धमकी भरे मैसेज मिलने लगे।मिली जानकारी के अनुसार, रतन वर्मा लोन से संबंधित जानकारी जुटाने के लिए अपने मोबाइल पर एक एप्लीकेशन डाउनलोड किए थे। एप इंस्टॉल करने के दौरान उनसे कुछ कागजी दस्तावेज और रजिस्ट्रेशन शुल्क मांगा गया।लेकिन उन्होंने कोई डॉक्यूमेंट सबमिट नहीं किया और एप को डिलीट कर दिया। इसके बावजूद व्हाट्सएप के जरिए उनसे लगातार पेमेंट करने का दबाव बनाया जाने लगा।जब उन्होंने इन मैसेज का जवाब नहीं दिया। तो पाकिस्तान के नंबर से फोन कर उन्हें धमकी दी गई। कि उनके आपत्तिजनक वीडियो और फोटो उनके परिजनों को भेज दिए जाएंगे। इसके अलावा नेपाल के नंबर से भी कॉल और मैसेज के जरिए उन्हें डराने की कोशिश की गई।घटना से घबराए रतन वर्मा ने नगर थाना में शिकायत दर्ज कराई थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता ने बताया कि आवेदन प्राप्त हुआ है और मामले की जांच की जा रही है।बढ़ते साइबर अपराध से रहें सावधान आज के डिजिटल दौर में साइबर ठग नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। अनजान एप डाउनलोड करना, निजी दस्तावेज साझा करना या किसी अज्ञात लिंक पर क्लिक करना खतरे से खाली नहीं है। विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी एप को डाउनलोड करने से पहले उसकी विश्वसनीयता जांच लें और किसी भी संदिग्ध कॉल या मैसेज का जवाब न दें।

यह अभियान न सिर्फ जागरूकता बढ़ाने की दिशा में अहम कदम है : डॉ. अमित

साहिबगंज :शहर में एचपीवी टीकाकरण अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से चिकित्सक पदाधिकारी डॉ. अमित कुमार ने सेंट जेवियर्स स्कूल के प्रिंसिपल फादर अरुल डोस से शिष्टाचार मुलाकात की।इस दौरान दोनों के बीच आगामी 30 मार्च 2026 से पूरे झारखंड में शुरू होने वाले एचपीवी टीकाकरण अभियान को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। इस अभियान के तहत 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की सभी किशोरियों को एचपीवी का टीका लगाया जाएगा, जो सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारी से बचाव में अत्यंत प्रभावी है।डॉ.अमित कुमार ने बताया कि यह टीका केवल एक इंजेक्शन के रूप में हाथ में दिया जाएगा, जिससे बच्चियों को भविष्य में होने वाले खतरनाक कैंसर से सुरक्षा मिल सकेगी। उन्होंने स्कूल प्रबंधन से अपील की कि अधिक से अधिक छात्राओं को इस अभियान से जोड़ा जाए, ताकि इसका लाभ सभी तक पहुंचे।वहीं प्रिंसिपल फादर अरुल डोस ने स्वास्थ्य विभाग को पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि विद्यालय इस महत्वपूर्ण अभियान को सफल बनाने में हर संभव मदद करेगा।स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान न सिर्फ जागरूकता बढ़ाने की दिशा में अहम कदम है, बल्कि आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य देने की एक महत्वपूर्ण पहल भी है।

नगर परिषद् एवं नगर पंचायत के उपाध्यक्ष को दिलाई गई पद एवं गोपनीयता की शपथ

दुमका : नगर परिषद् दुमका क्षेत्र के नव निर्वाचित उपाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह को नगर परिषद् दुमका के अध्यक्ष अभिषेक चौरसिया द्वारा पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। वहीं, नगर पंचायत बासुकीनाथ क्षेत्र के नव निर्वाचित उपाध्यक्ष रोहित कुमार राउत को नगर पंचायत बासुकीनाथ क्षेत्र की अध्यक्षा वीणा देवी द्वारा पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर संबंधित जनप्रतिनिधियों ने अपने दायित्वों का निर्वहन निष्ठा, पारदर्शिता एवं जनहित के प्रति प्रतिबद्धता के साथ करते हुए क्षेत्र के समग्र विकास हेतु कार्य करने का संकल्प लिया।

सिंदूर अक्षत चमेली के फूल और दूध-चीनी के भोग अर्पित करने से नकारात्मकता दूर होती है

संवाददाता

साहिबगंज : चैती दुर्गा मंदिरों में नवरात्रि के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की पूजा की जाती है। वे साहस शक्ति और ममता का प्रतीक हैं जो अपने मस्तक पर घंटे के आकार का अर्धचंद्र धारण करती हैं। मां की पूजा के लिए पीले या सुनहरे रंग के वस्त्र पहनकर, सिंदूर, अक्षत, चमेली के फूल और दूध-चीनी के भोग अर्पित करने से नकारात्मकता दूर होती है और मानसिक शांति मिलती है। मां चंद्रघंटा पूजा विधि तीसरा दिन सुबह की पूजा सुबह जल्दी उठकर स्नान करें स्वच्छ वस्त्र अधिमानत पीले पहनें।स्थापना और भोग मां चंद्रघंटा की प्रतिमा को चौकी पर स्थापित करें। उन्हें चमेली या कोई भी लाल फूल, कुमकुम, अक्षत, धूप और दीपक अर्पित करें। भोग के रूप में दूध से बनी मिठाई, खीर या दूध का प्रसाद चढ़ाएं।मंत्र जाप पूजा के दौरान ॐ देवी चंद्रघंटायै नमः या ऐं श्रीं शक्तयै नमःमंत्र का 108 बार जाप करें।पाठ और आरतीः दुर्गा चालीसा का पाठ करें और अंत में श्रद्धापूर्वक कपूर या घी के दीपक से मां चंद्रघंटा की आरती करें।शाम की पूजा शाम के समय भी दीपक जलाएं और मां के मंत्रों का पाठ करें। मां चंद्रघंटा की महिमा मां चंद्रघंटा की उपासना से भक्तों को शारीरिक और मानसिक संकटों से मुक्ति मिलती है। इनके घंटे की ध्वनि राक्षसों और नकारात्मक ऊर्जा को नष्ट करती है।जिससे साधक निर्भय और पराक्रमी हो जाता है। नवरात्रि में मां दुर्गा की कृपा पाने के लिए 9 दिनों तक सात्विक भोजन प्याज-लहसुन से परहेज करें।ब्रह्मचर्य का पालन करें

बाल-दाढ़ी न कटवाएं और नाखून न काटें। घर में कलश या अखंड ज्योति जली हो तो उसे अकेला न छोड़ें। साथ ही, ब्रह्मचर्य पालन, क्रोध से बचाव और दिन में सोने से बचना चाहिए। नवरात्रि में इन गलतियों से बचें 9 दिनों के दौरान खान-पान में सावधानी तामसिक भोजन जैसे मांस, मछली,अंडा, शराब और तंबाकू का सेवन न करें। व्रत में साधारण नमक की जगह सेंधा नमक का उपयोग करें और सरसों के तेल से बचें।बाल और नाखूनः इन 9 दिनों में बाल, दाढ़ी कटवाने या नाखून काटने से परहेज करना चाहिए, क्योंकि इसे शुभ नहीं माना जाता।स्वच्छता और आचरण घर में पवित्रता बनाए रखें और रोज सुबह-शाम माता की पूजा आरती करें। कड़वा बोलने झूठ बोलने या किसी का अपमान करने से बचें।कलश ज्योति के नियम यदि घर में कलश स्थापना या अखंड ज्योत जलाई है।तो घर को कभी भी खाली न छोड़ें। वहां किसी न किसी का रहना अनिवार्य है।दिन में सोना वर्जित शास्त्रों के अनुसार, व्रत के दौरान दिन में सोने से बचना चाहिए।पूजा में गलतियां माता रानी को मुरझाए हुए फूल न चढ़ाएं और भूलकर भी दूर्वा घास अर्पित न करें।इन नियमों का पालन करने से नवरात्रि की साधना पूर्ण और फलदायी मानी जाती है।

शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

दुमका : समाहरणाला के सभागार कक्ष में शुक्रवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की उपस्थिति में नगर परिषद दुमका के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अभिषेक चौरसिया एवं सभी 21 वार्ड पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह समाहरणालय सभागार में गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सभी नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को उपायुक्त द्वारा विधिवत पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

इस दौरान उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने सभी जनप्रतिनिधियों को उनकी नई जिम्मेदारियों के प्रति सजग एवं प्रतिबद्ध रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नगर परिषद् क्षेत्र के समग्र विकास, स्वच्छता, आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण एवं आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु सभी जनप्रतिनिधि समन्वय एवं सक्रियता के साथ कार्य करें। नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षदों ने इस अवसर पर अपने दायित्वों का निर्वहन निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं जनसेवा की भावना के साथ करने का संकल्प लिया तथा नगर परिषद् क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए तत्पर रहने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

भूमि संरक्षण विभाग के द्वारा आयोजित विशेष शिविर संपन्न

संवाददाता

दुमका : जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा के निदेर्शानुसार समाहरणालय परिसर दुमका में शुक्रवार को कृषि यांत्रिकीकरण प्रोत्साहन योजनान्तर्गत भूमि संरक्षण विभाग द्वारा एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य कृषक समूहों को जागरूक करना एवं इच्छुक समूहों से अधिक से अधिक इन यंत्रों हेतु आवेदन प्राप्त करना ताकि ससमय लक्ष्य के अनुरूप वितरण किया जा सके।

इस शिविर में विभिन्न प्रखण्डों से लाभुक समूहों ने भाग लिया, जिसमें जेएसएलपीएस, दुमका द्वारा संचालित 02 (दो) सखी मंडल को बडा ट्रैक्टर एवं 02 (दो) सखी मंडल को मिनी ट्रैक्टर के साथ-साथ लाभुक समूहों को कृषि कार्य हेतु कृषि उपकरण भी वितरित किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त अभिजीत सिन्हा के द्वारा कृषि यांत्रिकीकरण की महत्ता को समझाते हुए सखी मंडलों की सराहना की एवं इन उपकरणों के प्रयोग हेतु प्रोत्साहित किया गया। उपायुक्त ने कहा कि योजना का द्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि उपकरणों से जोड़ना है जिससे कृषि उत्पादकता बढ़े एवं वे स्वयं आत्मनिर्भर बन सके। भूमि संरक्षण पदाधिकारी द्वारा विस्तृत जानकारी देते हुए बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 में कृषकों महिला स्वयं सहायता समूह जलछाजन समितियों एवं अन्य समूहों के बीच कृषि यंत्रों का वितरण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ट्रैक्टर वितरण योजनान्तर्गत बड़े ट्रैक्टर एवं दो कृषि यंत्रों के खरीद पर कुल 10.00 लाख का पैकेज निर्धारित किया गया है, इस पर बड़े ट्रैक्टर हेतु 50 प्रतिशत एवं कृषि यंत्रों पर 80 प्रतिशत अनुदान प्राप्त है। मिनी ट्रैक्टर एवं अन्य यंत्रों के लिए 80 प्रतिशत तक की सरकारी अनुदान निर्धारित है।

इच्छुक समूह जिला कृषि पदाधिकारी, जेएसएलपीएस, नाबार्ड, मत्स्य पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी या जिला उद्यान पदाधिकारी, दुमका से सम्पर्क स्थापित कर जल्द से जल्द आवेदन जमा करें ताकि ससमय वितरण किया जा सके।

शिविर में उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान, डीपीएम जेएसएलपीएस, दुमका एवं अन्य कर्मी मौजूद थे।

त्योहार को लेकर प्रसाशन ने किया फ्लैग मार्च शांतिपूर्ण भाईचारे के साथ त्योहार मनाएं : नितिन

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा: आगामी त्यौहार ईद और रामनवमी को लेकर बड़हरवा नगर में स्थानीय प्रशासन बरहरवा प्रखंड विकास पदाधिकारी सनी कुमार दास व बरहरवा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नितिन खंडेलवाल के संयुक्त नेतृत्व में बड़हरवा थाना पुलिस एवं प्रखंड कर्मी दलबल के साथ नगर के विभिन्न क्षेत्रों में फ्लैग मार्च किया इस मार्च का उद्देश्य त्योहारों को शांतिपूर्ण और भाईचारे के साथ मनाया जाना है।प्रशासन ने स्थानीय लोगों से शांतिपूर्ण ढंग से त्योहार मनाने की अपील करते हुए बरहरवा थाना क्षेत्र के थाना रोड,हाटपाड़ा,बरहरवा सब्जीमंडी,मुख्य बाजार स्टेशन चौक मेन रोड,पहाड़ी बाबा चौक से

झिकटिया पतना चौक से कुशवाहा टोला एवं आस पास के इलाकों में दल बल और पेट्रोलिंग वाहनों के साथ फ्लैग मार्च किया।किसी भी प्रकार की संवेदनशील उपद्रव या घटना होने पर तुरंत स्थानीय प्रसाशन को सूचित करने की अपील भी की है।वहीं ईद को लेकर मस्जिदों और चौक चौराहों पर सुरक्षा कर्मियों की तैनाती भी की जाएगी।मौके पर बरहरवा अंचलाधिकारी अनुज कुमार, बरहरवा थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह,बरहरवा थाना के सभी आरक्षी सहित सैकडो सुरक्षाकर्मी व प्रखंड कर्मी मौजूद रहे।

हमलोगो के यहां स्वच्छ पानी पीने की व्यवस्था नहीं है : पहाड़िया

संवाददाता

साहिबगंज:जिले के तालझारी प्रखंड के सालगाछी संथाली पंचायत के देवाना देहरी रोहड़ा मसबेड़ा, मरणोरा,कारी,झिरकाजी के ग्रामीण सुरजा पहाड़िया,मेसा पहाड़िया,चमा पहाड़िया,जबरा पहाड़िया सहित कई लोगो ने उपायुक्त को आवेदन देकर सड़क,बिजली,पेयजल व उपस्वास्थ्य केंद्र बनाने कि मांग कि है।चमा पहाड़िया ने बताया कि 800 से 1500 की संख्या मे हमारे क्षेत्र मे आबादी हैं पर इन क्षेत्रों मे सड़क नहीं होने के कारण हमलोगो को प्रखंड कार्यालय के आलावा

गर्ववती महिलाएं व गंभीर बीमार मरीज को अस्पताल लें जाने मे काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।इसलिए ग्रामीणों ने शिवगादरी चौक से देवाना होते हुए कड़काड़म तक लगभग 13-14 किलोमिटर सड़क निर्माण कराने कि मांग कि है।वही सूरजा पहाड़िया ने कहा कि हमलोगो के यहाँ स्वच्छ पानी पीने की व्यवस्था नहीं है जिस कारण झरने का पानी पीने को मजबूर है।जिसे कहीं गंभीर बीमारी से हम लोगों को झूझना पड़ता है इसलिए गांव में 09 बोरिंग व जल मीनार निर्माण की व्यवस्था किया जाए कहा कि गांव मे विजली नहीं रहने के कारण बच्चों को पढ़ने लिखने में काफी परेशानी होती है।साथ ही अंधेरा रहने के कारण सांप विच्छू काटने का डर बना रहता है।इसलिए गांव में बिजली कनेक्शनकी व्यवस्था किया जाए।गांव के जबड़ा पहाड़िया ने बताया कि उप स्वास्थ्य केंद्र गांव से 20 से 22 किलोमीटर दूर रहने के कारण समय पर पहुंचना काफी मुशिकल हो जाता है।जिससे कितने मरीज रास्ते मे ही दम तोड़ देते है। इसलिए गांव में उपस्वास्थ्य केंद्र के साथ एक डॉक्टर की व्यवस्था किया जाए।मौके पर मैसा पहाड़िया,गुलिया पहाड़िया,देवा पहाड़िया,रामा मालतो मौजूद थे।

सिंगर रितेश पांडे ने बनाया सबसे बड़ा रिकॉर्ड

100 करोड़ व्यूज के साथ रचा इतिहास

भोजपुरी गाना 'हैलो कौन' आज भी लोगों की जुबान पर है, रितेश पांडे की आवाज में गाए इस गाने ने यूट्यूब पर 1 अरब से ज्यादा व्यूज हासिल कर इतिहास रच दिया. इस गाने ने पवन सिंह और खेसारी लाल जैसे बड़े सितारों के गानों को भी पीछे छोड़ दिया. भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री में कई गाने ऐसे हैं जो रिलीज होते ही सोशल मीडिया और यूट्यूब पर छा जाते हैं. लेकिन कुछ गाने ऐसे भी होते हैं जो सालों बाद भी लोगों की जुबान पर बने रहते हैं. भोजपुरी गानों की जहां बात आती है, तो कुछ खास सिंगर्स के ही नाम सामने आते हैं, जिसमें पवन सिंह, खेसारी लाल यादव, निरहुआ का नाम शामिल है. लेकिन, कमाल की बात है कि यूट्यूब पर जिस भोजपुरी गाने ने कब्जा जमाया है, वो इन में से किसी भी सिंगर का गाना नहीं है. भोजपुरी के गानों का क्रेज दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है, इनमें से भी कुछ गाने ऐसे हैं, जो सालों बितने के बाद भी लोगों के जुबान पर टिका रहता है. हम जिस गाने की बात कर रहे हैं, वो साल 2019 में रिलीज हुआ गाना, 'हैलो कौन' है. इस गाने को भोजपुरी सिंगर और एक्टर रितेश पांडे ने गाया है. इस गाने ने व्यूज के मामले में ऐसा रिकॉर्ड बना दिया कि बड़े-बड़े सुपरस्टार भी पीछे रह गए. इस गाने ने पवन सिंह और खेसारी के रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है.

भारतीय टीम जून में करेगी आयरलैंड का दौरा, खेलेगी 2 टी 20 मैचों की सीरीज

एजेंसी

नई **दिल्ली :** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को घोषणा की कि ट्वेंटी-20 विश्व कप विजेता भारतीय टीम जून में आयरलैंड दौरे पर जाएगी, जहां दोनों टीमों के बीच दो मैचों की ट्वेंटी-20 सीरीज खेली जाएगी। यह सीरीज विश्व कप जीत के बाद भारत की पहली ट्वेंटी-20 श्रृंखला होगी। भारत ने 8 मार्च को अहमदाबाद में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया था। भारत ने पिछले आठ वर्षों में (2018, 2022 और 2023) तीन बार आयरलैंड का दौरा किया है। वहीं, 2007 के बाद यह पहला मौका होगा जब भारतीय टीम बेलफास्ट में मुकाबला खेलेगी। दूसरी ओर, आयरलैंड के लिए यह दौरा व्यस्त 2026 कार्यक्रम का हिस्सा है। उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मुकाबला और अफगानिस्तान के खिलाफ पांच एकदिवसीय मुकाबले भी खेलने हैं।

भारत बनाम आयरलैंड श्रृंखला का कार्यक्रम पहला ट्वेंटी-20 मुकाबला: 26 जून, दोपहर 3:00 बजे (स्थानीय समय), स्टॉर्मोंट क्रिकेट मैदान, बेलफास्ट।

दूसरा ट्वेंटी-20 मुकाबला: 28 जून, दोपहर 3:00 बजे (स्थानीय समय), स्टॉर्मोंट क्रिकेट मैदान, बेलफास्ट।

अर्जेंटीना फीफा विश्व कप 2026 से पहले 31 मार्च को जाम्बिया से खेलेगा फ्रेंडली मैच

एजेंसी

ब्यूनस आयर्स : अर्जेंटीना फीफा विश्व कप 2026 की तैयारियों के तहत मैत्री मैच खेलेगा। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने शुक्रवार को घोषणा करते हुए बताया कि टीम जाम्बिया से भिड़ेगी, जबकि पहले यह मैच ग्वाटेमाला के खिलाफ प्रस्तावित था। पहले अर्जेंटीना को इस महीने कतर में स्पेन के खिलाफ ह्यफाइनलिसिमाह्व और मेजबान टीम के खिलाफ मुकाबला खेलना था। ये दोनों मुकाबले कतर फुटबॉल उत्सव का हिस्सा थे और फाइनलिसिमा मैच लुसैल स्टेडियम में आयोजित होना था, जहां लियोनेल मेसी ने पिछला विश्व कप जीता था। हालांकि, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण इस टूर्नामेंट को रद्द कर दिया गया, जिसके बाद अर्जेंटीना को अपनी योजना में बदलाव करना पड़ा। इसके बाद विश्व चैंपियन टीम ने तय किया कि वह अपने दोनों मैत्री मुकाबले घरेलू मैदान पर ही खेलेगी। ये मुकाबले 27 और 31 मार्च को ब्यूनस आयर्स में आयोजित होंगे। फीफा के नियमों के अनुसार, कोई भी टीम एक ही अंतरराष्ट्रीय अवधि में दो अलग-अलग महाद्वीपों में मुकाबले नहीं खेल सकती। इसी वजह से ग्वाटेमाला की जगह अब जाम्बिया को शामिल किया गया है। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ के अनुसार, मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी के मार्गदर्शन में टीम 31 मार्च को रात 8:15 बजे ला बोम्बोनेरा स्टेडियम में जाम्बिया के खिलाफ मैदान में उतरेगी। साथ ही संघ ने ग्वाटेमाला फुटबॉल महासंघ का आभार व्यक्त किया, जिसने नियमों की बाधाओं के बावजूद सहयोग की इच्छा जताई।

विश्व एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप कुजावी-पोमोर्जे 2026: पहले दिन अमेरिका का दबदबा

एजेंसी

कुजावी-पोमोर्जे : विश्व एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप कुजावी-पोमोर्जे 2026 के पहले दिन (शुक्रवार) चार रोमांचक फाइनल मुकाबलों में खिताबों का फैसला हुआ। उद्घाटन दिवस पर खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर प्रतियोगिता को शानदार शुरूआत दी।

60 मीटर दौड़ में जॉर्डन एंथनी का स्वर्ण

अमेरिका के 21 वर्षीय धावक जॉर्डन एंथनी ने अपने पहले अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में ही शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की 60 मीटर दौड़ 6.41 सेकंड में पूरी कर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने अनुभवी खिलाड़ियों को पीछे छोड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल की।

गोला फेंक में चेस जैक्सन बनीं विजेता

अमेरिका की चेस जैक्सन ने गोला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर देश को दिन का दूसरा स्वर्ण दिलाया। बाहरी प्रतियोगिताओं की दो बार की विश्व विजेता जैक्सन का यह पहला इंडोर वैश्विक खिताब है।

ऊंची कूद में यारोस्लावा महुचिख का दबदबा कायम

ओलंपिक चैंपियन यारोस्लावा महुचिख ने 2.01 मीटर की छलांग लगाकर ऊंची कूद का खिताब अपने नाम किया। इस स्पर्धा में तीन खिलाड़ियों ने संयुक्त रूप से रजत पदक जीता।

तिहरी कूद में एंडी डियाज ने खिताब बरकरार रखा

तिहरी कूद में एंडी डियाज ने 17.47 मीटर की शानदार छलांग लगाकर अपना खिताब बचाया। वह 2004 के बाद लगातार दो बार यह खिताब जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने। पहले दिन के मुकाबलों ने यह स्पष्ट कर दिया कि इस प्रतियोगिता में आगे भी कड़े और रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे।

अब मैं खुद से पूछती हूं कि मैं सच में कहां की हूं: सेलिना जेटली

अभिनेत्री सेलिना जेटली ने इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए अपने जीवन के उतार-चढ़ाव, विदेश प्रवास और अपनी पहचान के संघर्ष पर दिल की बात कही।

उन्होंने भारत वापसी की जानकारी देते हुए अपने मन के खालीपन और उदासी को व्यक्त किया। सेलिना ने लिखा कि जब कोई व्यक्ति विदेश में उतना लंबा समय व्यतीत कर लेता है, जितना उसने अपने बचपन में माता-पिता के साथ बिताया हो, तो वह अपनी जड़ों और पहचान को लेकर असमंजस में पड़ जाता है। उन्होंने ऑस्ट्रिया (आल्प्स) के प्राकृतिक सौंदर्य की तुलना अपने बचपन की यादों, यानी कुमाऊं के पहाड़ों और जंगलों से की। हालांकि, अभिनेत्री ने यह भी साझा किया कि वर्षों विदेश में रहने के बावजूद वहां उन्हें मात्र 'पीटर की भारतीय पत्नी' के रूप में ही पहचाना गया। उन्होंने लिखा, 'पीटर हाग से मेरी शादी के बाद ऑस्ट्रेलिया और फिर ऑस्ट्रि में बसीं, लेकिन समय के साथ घर जैसा एहसास कम होता गया। अभिनेत्री ने अपनी मां की बात को याद करते हुए लिखा, 'आप एक ही इंसान को दो बार नहीं पा सकते, यहां तक कि उसी इंसान को भी नहीं। मां के साथ बिताया समय मेरा सबसे प्रिय समय था। अब जब मां-पिता और परिवार के सदस्य नहीं रहे, तो पुराना घर और एहसास वापस नहीं आता। कभी-कभी लोग ठीक होना भी नहीं चाहते, क्योंकि दर्द ही खोई हुई चीज से आखिरी रिश्ता बन जाता है। एक सैनिक की बेटी होने के कारण उनका बचपन कई जगहों पर बीता। कोई एक स्थायी घ नहीं था, लेकिन माता-पिता ने हर जगह प्यार और खुशियां दीं। अभिनेत्री ने लिखा, 'अब विदेशी शादी और परि की कमी के कारण मुझे लगता है कि मेरा घर अब कहीं नही है। न ही मैं पूरी भारतीय और न ही विदेशी। मैं दो दुनियाओं का अच्छा हिस्सा हूं, लेकिन सच्चाई यह है कि अब कोई भी जगह पूरी तरह घर जैसी नहीं लगती। सेलिना ने अपने पहाड़ों, जंगलों, बाघों और बचपन की यादों को घर का हिस्सा बताया।

कृति सेनन के खिलाफ 'रील लाइक' करने पर बोलीं यामी गौतम

'मैं घटिया PR के हथकंडे नहीं अपनाती'

सोशल मीडिया में इन दिनों 'बेस्ट एक्ट्रेस' अवॉर्ड को लेकर बहस तेज हो गई है. अभिनेत्री यामी गौतम और कृति सेनन के प्रशंसकों के बीच यह विवाद छिड़ गया है कि दोनों में से बेहतर अभिनेत्री कौन है. दिलचस्प बात यह है कि यह पूरा विवाद यामी गौतम द्वारा एक सोशल मीडिया पोस्ट को 'लाइक' करने के बाद शुरू हुआ. हालांकि, अब यामी गौतम ने इस मामले पर सफाई देते हुए कहा है कि उनका किसी भी अभिनेत्री को नीचा दिखाने का कोई इरादा नहीं था. यामी गौतम ने अपने 'लाइक' को लेकर उठे विवाद पर प्रतिक्रिया दी है. उनका कहना है कि एक सेलिब्रिटी होने के कारण उन्हें रोजाना कई पोस्ट में टैग किया जाता है और कई बार यह स्पष्ट नहीं होता कि पोस्ट किसके संदर्भ में है. अभिनेत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर

लिखा, 'मुझे पता चला है कि मैंने एक ऐसी रील को 'लाइक' किया है, जिसे किसी अन्य कलाकार के प्रति अपमानजनक माना जा रहा है. हमें रोजाना कई पोस्ट में टैग किया जाता है और यह भी एक अवॉर्ड समारोह से जुड़ी किसी अन्य टैग की तरह ही दिखाई दिया. ऐसा बिल्कुल भी जानबूझकर नहीं किया गया था. संभव है कि यह गलती से क्लिक हो गया हो. '

अक्षय कुमार की OMG 3 से कटा रानी मुखर्जी का पत्ता?

अब हो गया सच का खुलासा

अक्षय कुमार इस साल कई सीक्वल लेकर आने वाले हैं, जिनमें हेरा फेरी 3, भागम भाग 2 और वेलकम टू द जंगल शामिल है. इसी लिस्ट में एक और सीक्वल का नाम भी जुड़ गया है. अक्षय कुमार अपनी पॉपुलर फ्रेंचाइजी 'ओह माय गॉड' की तीसरा पार्ट लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम 'ओह माय गॉडेस' रखा गया है. इस फिल्म के अनाउंस होने के साथ ऐसी खबरें सामने आ रही थीं कि रानी मुखर्दी 'OMG 3' में नजर आएंगी. अक्षय कुमार की इस फिल्म में रानी मुखर्जी को लेकर चल रही तमाम खबरों के बीच अब OMG 3 पर एक नया अपडेट सामने आया है, जिससे इन तमाम अटकलों पर विराम लग गया है. हाल ही में ऐसी खबरें सामने आई थीं कि रानी मुखर्जी जल्द ही अक्षय कुमार के साथ 'ओह माय गॉड 3' में विलेन का किरदार निभाएंगी, जबकि अक्षय कैमियो करेंगे. हालांकि, अब पता चला है कि रानी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं हैं. बीते दिनों अक्षय ने रानी को 'मर्दानी 3' की रिलीज पर विश करके 'देवी' कहा, जिसे देखकर लोगों को लगा एक्टर ने इनडायरेक्टली 'ओह माय गॉडेस' को कंफर्म किया है. लेकिन अब ऐसी खबर मिली है कि रानी को 'ओह माय गॉडेस' के लिए कभी साइन नहीं किया गया था.

सोनू सूद को अकड़ दिखाने के बाद राजपाल का यू-टर्न!

राजपाल यादव ने कुछ दिन पहले ही कहा था कि उन्हें सोनू सूद की मदद की जरूरत नहीं है। जब एक्टर जेल में थे तब सोनू सूद ने उन्हें फिल्म ऑफर की थी, जिस पर राजपाल का रिएक्शन आया था। अब, दोनों को एक साथ देखकर लोग तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं। बॉलीवुड एक्टर राजपाल यादव का एक नया वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वो एक्टर सोनू सूद के साथ नजर आ रहे हैं। वीडियो में दोनों साथ चलते हुए दिख रहे हैं, फिर अचानक वे गले मिलते हैं और पपाराजी के लिए मुस्कुराते हुए पोज देते हैं। दरअसल, कुछ समय पहले राजपाल यादव का नाम 9 करोड़ रुपये के कर्ज मामले से जुड़ा था। इस मामले में उन्हें जेल जाना पड़ा था। उस वक्त सोनू सूद समेत कई सेलेब्स उनकी मदद के लिए आगे आए थे। सोनू सूद ने राजपाल यादव की मदद को लेकर बात की थी और कहा था कि वो उन्हें फिल्म भी ऑफर कर रहे हैं।

राजपाल यादव ने दिखाई अकड़

हालांकि, जेल से रिहा होने के बाद राजपाल यादव ने इस मामले पर रिएक्ट किया और कहा कि उन्होंने किसी से मदद नहीं मांगी थी।

'टटीरी' गाने को लेकर बादशाह की बढ़ीं मुश्किलें

हरियाणा की राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने रैपर-सिंगर बादशाह और उनके नए गाने को लेकर हुए विवाद पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि सिंगर का काम माफी के लायक नहीं है।

माफी के लायक नहीं काम

आदित्य प्रतीक सिंह सिसोदिया उर्फ बादशाह हाल ही में गाना 'टटीरी' को लेकर विवादों में आ गए। लोगों ने इसके लिरिक्स पर आपत्ति जताई। इस पर बादशाह ने माफी मांगी है। इस बीच मीडिया से बात करते हुए भाटिया ने कहा 'बादशाह ने जो किया है वह माफ करने लायक नहीं है। हरियाणा की बेटियों का इस तरह अपमान करना और उनके खिलाफ ऐसी गंदी भाषा का इस्तेमाल करना बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। हमने उन्हें 13 मार्च को बुलाया है।

शनिवार को बादशाह ने एक वीडियो में अपने काम को लेकर माफी मांगी थी। उन्होंने कहा था 'मैं खुद हरियाणा से हूं। जो लोग मुझे जानते हैं, वो जानते हैं कि मेरी बोली, मेरा खान-पान, मेरा रहना-सहना, मेरी पहचान हरियाणा से है। मैं एक हरियाणवी हूं। मेरा कभी ऐसा कोई इरादा नहीं था कि मैं हरियाणा के किसी बच्चे, किसी महिला के बारे में ऐसी बात कहूं।

गोविंदा का दावा-

सलमान ने करवाई सर्जरी

● पार्टनर शूट करने से पहले कहा था- चेहरा उतर गया, बाल कम हैं, फिर सलमान ने बदला लुक

बॉलीवुड एक्टर गोविंदा ने सलमान खान को लेकर एक बड़ा दावा किया है। गोविंदा ने कहा कि उन्होंने ही सलमान खान को अपना लुक और फिजिकल अपीयरेंस बदलने का सुझाव दिया था। गोविंदा ने सिद्धार्थ कनन को दिए इंटरव्यू में बताया कि पार्टनर फिल्म की शुरुआत से पहले उन्होंने सलमान को बॉडी और बालों पर काम करने की सलाह दी थी, जिसके बाद सलमान ने सर्जरी कराई और खुद को पूरी तरह ट्रांसफॉर्म किया।

इंटरव्यू में गोविंदा ने कहा, 'मैंने सलमान से कहा था कि तुम्हें यह और यह करना है। थोड़ा सा चेहरा उतर गया है, थोड़ी बॉडी तैयार कर लीजिए। आपके बाल भी थोड़े कम लग रहे हैं, तो आपको कुछ करना चाहिए।' गोविंदा के मुताबिक, उन्होंने यह बात एक-दो ड्रिंक लेने के बाद कही थी।

दावा- सलाह के बाद सलमान ने कराई थी सर्जरी

गोविंदा ने दावा किया कि उनकी बात सुनने के बाद सलमान खान ने इसे गंभीरता से लिया। गोविंदा ने कहा, 'सलमान गया और उसने सर्जरी कराई, फिर एक्सरसाइज शुरू की। पार्टनर के बाद आप सलमान को देखिए, वह पहले जैसा नहीं था। हमने कोशिश की थी कि उसकी पर्सनैलिटी को पूरी तरह बदल दें और हम इसमें कामयाब रहे।

बंगाल चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग का बड़ा कदम, 19 अपीलीय अधिकरण गठित

मतदाता सूची विवादों की होगी सुनवाई

एजेंसी

कोलकाता : आगामी विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के उद्देश्य से भारतीय निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में 19 अपीलीय अधिकरणों के गठन की अधिसूचना जारी की है। ये अधिकरण विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने से जुड़े विवादों पर सुनवाई करेंगे। निर्वाचन आयोग की शुक्रवार रात जारी अधिसूचना के अनुसार यह निर्णय सर्वोच्च न्यायालय के 10 मार्च 2026 के आदेश तथा कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की सिफारिश के आधार पर लिया गया है। गठित 19 अधिकरणों में से 18 की अध्यक्षता उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश करेंगे, जबकि एक

अधिकरण की अध्यक्षता कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश करेंगे। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश टी. एस. शिवगणनम को कोलकाता क्षेत्र से जुड़े मामलों की जिम्मेदारी दी गई है। उनके अधिकरण के अधिकार क्षेत्र में कोलकाता दक्षिण, कोलकाता उत्तर और उत्तर 24 परगना के चुनावी जिले शामिल होंगे। अधिसूचना में कहा गया है कि पूरक मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद संबंधित पक्ष नाम जोड़ने या हटाने से जुड़े न्यायिक अधिकारियों के फैसलों के खिलाफ अपील कर सकेंगे। अपील दो तरीकों से दायर की जा सकेगी। ऑनलाइन आयोग के डिजिटल मंच के माध्यम से या जिलाधिकारी, उप मंडलाधिकारी अथवा अनुमंडल पदाधिकारी के कार्यालय में ऑफलाइन आवेदन देकर, जिसे बाद में डिजिटल प्रणाली पर अपलोड किया जाएगा। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि ये अधिकरण तत्काल प्रभाव से काम शुरू करेंगे और संबंधित जिलों की सभी अपीलों का निपटारा होने के बाद स्वतः समाप्त हो जाएंगे। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि मतदाता सूची में नाम शामिल करने या हटाने से जुड़े विवाद चुनाव की विश्वसनीयता को सीधे प्रभावित करते हैं, खासकर पश्चिम बंगाल जैसे राजनीतिक रूप से संवेदनशील राज्य में। विशेषज्ञों के अनुसार यह कदम मतदाताओं का भरोसा मजबूत करने और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

पूर्व सीएम अखिलेश, भाजपा नेता दिनेश शर्मा समेत अन्य दलों के नेता पहुंचे ऐशबाग ईदगाह

एजेंसी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता व पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ऐशबाग ईदगाह पहुंचकर ईद की मुबारकबाद दी और अमन चैन की अपील की। पुलिस की चौकसी के बीच शांतिपूर्ण ढंग से राजधानी समेत पूरे प्रदेश में ईद का पर्व मनाया जा रहा है। सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम के बीच लखनऊ के ऐशबाग स्थित ईदगाह पर 10 बजे ईद की नमाज शुरू हुई। यहां 50 हजार से ज्यादा लोग इकट्ठा हुए। ऐशबाग ईदगाह पूरी तरह फुल होने के बाद इसके गलियारे पर नमाजियों की भीड़ एकत्र हुई। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि हम आपस में भाईचार चाहते हों। पूर दुनिया शांति होगी तो हम सब अपनी जिंदगी ठीक से जी सकेंगे। हमने अभी कुछ दिन पहले गले मिलकर होली मनाई थी। अब गले मिलकर

ईद मना रहे हैं। यही हमारी हिंदुस्तानियत है। विश्व में कुछ देशों के बीच जो युद्ध के हालात हैं, ये शांत हों। हम लोग शांति से इसी तरह एक-दूसरे मिलजुलकर रहें तो देश आगे बढ़ेगा। हमें पूरा भरोसा है कि आने वाले समय में हमारा देश और तरक्की करेगा। हम अन्य दलों से आए नेताओं को धन्यवाद देता हूं। हम आप सब ऐसे ही मिलजुल कर आगे बढ़ते रहें। इसी से खुशहाली आएगी। ईद के अवसर पर ईदगाह पहुंचे भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि खुशहाली और भाईचारे के त्योहार पर हम चाहते हैं कि दुनिया हो रहा युद्ध समाप्त हो। एक दूसरे पर आक्रमण करने से बचें। हमारा भारत पूरी दुनिया को शांति का संदेश दे। हम एक दूसरे के लिए काम आएं। मिलजुलकर आगे बढ़ें। राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा ऐशबाग ईदगाह के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने ऐशबाग ईदगाह और ऐशबाग रामलीला मैदान के बारे में डिटेल से बताया। उन्होंने कहा कि लखनऊ के नवाब ने ऐशबाग ईदगाह और रामलीला के लिए बराबर जमीन दी थी। यहां पर गोस्वामी तुलसीदास ने सबसे पहले रामलीला का मंचन कराया था। हमारी मिलजुल रहने की संस्कृति है। एकता का यह संदेश हमारे राष्ट्र का मजबूत करे और हमारा देश एक हो, आज का ईद के अवसर पर यही संदेश है। हमारा देश जाति, धर्म को छोड़कर एक दूसरे के काम आएं और देश खूब तरक्की करे।

तेज आंधी बारिश ने किसानों के अरमानों पर फेरे पानी,सैकड़ों एकड़ में लगे मकई के पौधे हुए जमींदोज

अररिया : शुक्रवार की रात आई तेज आंधी बारिश के साथ ओलावृष्टि ने जिले के किसानों के अरमानों पर पानी फेर दिया।तेज आंधी और बारिश के कारण सैकड़ों एकड़ में लगे मकई के फसल पौधों को भारी नुकसान हुआ है। इसके अलावे गेहूं और सरसों की खेती को भी नुकसान हुआ है।सैकड़ों एकड़ में लगे मकई के फसल पौधे जमींदोज हो गए।तेज आंधी और बारिश के कारण करोड़ों रुपए के नुकसान होने का अनुमान है। सैकड़ों घरों की छप्पर उड़ गए। तेज आंधी और बारिश के कारण टीन के छत उखड़ गए,जिसके कारण लोग खुले आसमान के नीचे रहने को विवश है।नेशनल हाईवे सहित स्टेट हाइवे और ग्रामीण सड़कों में दर्जनों स्थानों पर पेड़ गिर जाने के कारण यातयात व्यवस्था पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है जिसे सामान्य बनाने के लिए जिला प्रशासन की ओर से कवायद जारी है।वहीं तेज आंधी और बारिश के कारण बिजली के तारों पर पेड़ और टहनियों के कारण कई इलाकों में रात से ही बिजली आपूर्ति बाधित है,जिसके कारण आमजनों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इधर तेज आंधी और बारिश के साथ हुई ओलावृष्टि से जान माल की क्षति के साथ ही बड़े पैमाने पर मकई,गेहूं और सरसों के फसल को नुकसान पहुंचा है।आम के मंजर और टिकोले तेज हवा में गिर गए हैं।

हिमाचल विधानसभा में बजट के दौरान विपक्ष का हंगामा

वेल में आकर नारेबाजी, सीएम सुक्खू का बजट भाषण बीच में रुका

एजेंसी

शिमला : हिमाचल प्रदेश विधानसभा में शनिवार को पूर्वान्ह 11 बजे वित्त वर्ष 2026-27 का बजट पेश करते समय उस वक्त हंगामे की स्थिति बन गई, जब मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा आरडीजी के मुद्दे पर विपक्ष पर की गई टिप्पणी के बाद भाजपा विधायक भड़क गए। विपक्षी सदस्य नारेबाजी करते हुए वेल में पहुंच गए, जिसके चलते सदन का माहौल तनावपूर्ण हो गया और स्पीकर को मुख्यमंत्री का बजट भाषण कुछ समय के लिए रोकना पड़ा। हंगामा बजट भाषण शुरू होने के करीब 10 मिनट के भीतर ही शुरू हो गया। विपक्षी सदस्य मुख्यमंत्री द्वारा एक शब्द के इस्तेमाल पर आपत्ति जताते हुए लगातार नारेबाजी करते रहे। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए स्पीकर ने कई बार विपक्षी विधायकों से अपनी-अपनी सीटों पर लौटने का आग्रह किया, लेकिन शोर-शराबा जारी रहने के कारण मुख्यमंत्री को अपना बजट भाषण बीच में ही रोककर सीट पर बैठना पड़ा। इससे पहले मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बजट भाषण की शुरूआत में कहा कि वित्त वर्ष 2026झ27 का बजट ऐसे समय में पेश किया जा रहा है, जब वर्ष 1952 से हिमाचल प्रदेश को मिल रही आरडीजी को 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों के बाद बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय संविधान की भावना के विपरीत है और इससे प्रदेश की वित्तीय स्थिति पर गहरा असर पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष से कई बार आग्रह किया था कि वह प्रदेश के हित में केंद्र सरकार के समक्ष आरडीजी बहाल करने के लिए सहयोग करें, लेकिन विपक्ष ने इस कठिन समय में प्रदेश का साथ नहीं दिया। उन्होंने कहा कि पहाड़ी राज्यों की भौगोलिक परिस्थितियां कठिन होने के कारण यहां बुनियादी ढांचा विकसित करने में मैदानी राज्यों की तुलना में दो से तीन गुना अधिक खर्च आता है और ऐसे में आरडीजी बंद होना प्रदेश के लिए बड़ा झटका है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज हल्द्वानी दौरे पर, जनसभा को करेंगे संबोधित

एजेंसी

हल्द्वानी : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को नैनीताल जनपद के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे हल्द्वानी में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। राज्य में धामी सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम को लेकर व्यापक तैयारियां की गई हैं और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। उत्तराखंड में पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शनिवार को नैनीताल जनपद के एमबी इंटर कॉलेज, हल्द्वानी में कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा। इस अवसर पर आयोजित जनसभा को बतौर मुख्य अतिथि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में राज्य सरकार की उपलब्धियों, विकास योजनाओं और जनहितकारी नीतियों को प्रमुखता से प्रस्तुत किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम

के अनुसार, रक्षा मंत्री दोपहर 12:10 बजे पंतनगर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इसके पश्चात वे 12:20 बजे हेलीकॉप्टर से हल्द्वानी के लिए रवाना होंगे और 12:40 बजे आर्मी हेलीपैड पहुंचेंगे। आर्मी हेलीपैड से वे सड़क मार्ग से 12:55 बजे एमबी इंटर कॉलेज मैदान पहुंचेंगे, जहां वे जनसभा को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम के उपरांत रक्षा मंत्री दोपहर 2:15 बजे आर्मी हेलीपैड के लिए प्रस्थान करेंगे और 2:55 बजे पंतनगर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से वे 3:25 बजे दिल्ली के लिए रवाना होंगे। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत सैनिक स्कूल घोड़ाखाल जाने का दौरा रद्द कर दिया गया है।

तेज आंधी बारिश के साथ ओलावृष्टि आई कहर बनकर,दो की मौत,चार घायल

अररिया : शुक्रवार की रात आई तेज आंधी बारिश के साथ ओलावृष्टि जिले में कहर बनकर टूटी है। तेज आंधी बारिश और ओलावृष्टि के कारण भारी जानमाल की क्षति हुई है। जिले में शनिवार को घर गिरने से अब तक दो लोगों की मौत और करीबन चार लोगों के घायल होने की सूचना है। फारबिसगंज के कोठीहाट वार्ड संख्या 02 में तेज आंधी और बारिश के कारण एक फूस के घर की दीवार अचानक भरभराकर गिर गई, जिसमें एक तीन साल के मासूम बच्चे शिवम राय की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं फारबिसगंज दरभंगिया टोला में जेसीआई का पुराना चहारदीवारी का दिवाल गिरने से 8 साल के मंतसीर की मौत हो गई है।वहीं दो अन्य बच्चे घायल हैं,जिनका इलाज पूर्णिया के एक निजी अस्पताल में

कराया जा रहा है। फारबिसगंज कोठीहाट रोड वार्ड संख्या दो सुल्तान पोखर के निकट फूस का घर गिरने से तीन वर्षीय शिवम कुमार की मौत हुई है, जो संजय राय का पुत्र था। संजय राय मूल रूप से सुल्तान पोखर के निवासी हैं और एक होटल में काम करके अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं। अचानक आई इस आंधी ने उनके परिवार की खुशियों को पल भर में मातम में बदल दिया। फैंसी मार्केट के बगल स्थित लाल पक्का का दीवाल पर पेड़ गिरने और पेड़ के कारण दीवार एक फुस के घर पर गिरने से तीन बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए।तीनों घायल बच्चे को फारबिसगंज अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया था,जहां प्राथमिक उपचार के बाद तीनों बच्चे को रेफर कर दिया गया।जिसमें से 8 साल के बालक मंतसीर की मौत हो गई है जबकि छह साल का मंतसा और चार साल का मोनाजिर की हालत नाजुक बताई जा रही है और पूर्णिया के एक निजी अस्पताल में उनका इलाज किया जा रहा है।मृतक समेत तीनों बच्चे फारबिसगंज दरभंगिया टोला, वार्ड संख्या 11 निवासी मो.नाजिर के बच्चे हैं।वहीं तेज आंधी और बारिश में पलासी में दो लोग घायल हो गए,जिनका इलाज अररिया सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। फारबिसगंज में घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से सभी बच्चों को फारबिसगंज अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने शिवम कुमार को मृत घोषित कर दिया तथा तीनों गंभीर को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया था। ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर मुन्ना कुमार ने बताया कि तीनों घायल बच्चों की हालत बेहद नाजुक है, जिनमें से एक की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। तेज आंधी और ओलावृष्टि से शहरभर में अफरा-तफरी मची रही। प्रशासनिक अधिकारी भी स्थिति का जायजा लेने में जुटे हुए

हिमाचल बजट 2026-27: दूध के दाम 10 रुपये बढ़े, किसानों के लिए एमएसपी बढ़ोतरी

अधूरे कामों को 500 करोड़, बजट आकार घटकर 54,928 करोड़

एजेंसी

शिमला : हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शनिवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2026झ27 का बजट पेश करते हुए कई अहम घोषणाएं कीं। उन्होंने किसानों, दुग्ध उत्पादकों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए कई फैसलों का ऐलान किया। साथ ही बताया कि इस बार राज्य का कुल बजट आकार घटाकर 54,928 करोड़ रुपये रखा गया है, जो पिछले बजट के लगभग 58 हजार करोड़ रुपये के बजट से कम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र से मिलने वाली राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) में कमी इसके पीछे एक बड़ी वजह है। मुख्यमंत्री ने बजट भाषण में कहा कि वर्ष 2020 से 2025 के बीच हिमाचल प्रदेश को आरडीजी के रूप में करीब 48 हजार करोड़ रुपये मिले थे, लेकिन वित्त आयोग के नए मानकों के कारण प्रदेश को हर साल

लगभग 8,105 करोड़ रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि यह अनुदान आगामी वर्षों में कम से कम 10 हजार करोड़ रुपये प्रतिवर्ष होना चाहिए था, ताकि पहाड़ी राज्य की जरूरतों को बेहतर तरीके से पूरा किया जा सके। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री ने गाय और भैंस के दूध के क्रय मूल्य में 10झ10 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की घोषणा की। इसके तहत अब गाय के दूध का क्रय मूल्य 51 रुपये से बढ़ाकर 61 रुपये प्रति लीटर और भैंस के दूध का क्रय मूल्य 61 रुपये से बढ़ाकर 71 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दुग्ध उत्पादकों को सीधा लाभ मिले और बिचौलियों की भूमिका कम हो। किसानों के लिए भी सरकार ने कई अहम घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री ने गेहूं का समर्थन मूल्य 60 रुपये से बढ़ाकर 80 रुपये प्रति किलो, मक्की का समर्थन मूल्य 40 रुपये से बढ़ाकर 50 रुपये प्रति किलो, पांगी क्षेत्र के जौ का समर्थन मूल्य 60 रुपये से बढ़ाकर 80 रुपये प्रति किलो और हल्दी का समर्थन मूल्य 90 रुपये से बढ़ाकर 150 रुपये प्रति किलो करने की घोषणा की। इसके अलावा पहली बार अदरक के लिए 30 रुपये प्रति किलो समर्थन मूल्य देने का भी एलान किया गया। मुख्यमंत्री ने एक और चुनावी गारंटी पूरी करने का दावा करते हुए राज्य किसान आयोग के गठन की घोषणा की, जो किसानों की समस्याओं को सुनने और कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए काम करेगा। मुख्यमंत्री ने बजट भाषण में कहा कि सरकार ने लंबे समय से लंबित पड़े करीब 300 अधूरे विकास कार्यों की सूची तैयार की है। ये परियोजनाएं जनहित से जुड़ी हैं और इनके पूरा होने से विभिन्न क्षेत्रों में विकास को गति मिलेगी। इन अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए बजट में 500 करोड़ रुपये का विशेष प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) लागू की थी, जो कर्मचारियों के हित में लिया गया फैसला था। इसके साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए गोबर खाद योजना शुरू की गई और मक्की व हल्दी को समर्थन मूल्य देने वाला हिमाचल देश का पहला राज्य बना। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकारी स्कूलों में पहली कक्षा से अंग्रेजी माध्यम शुरू करने का फैसला भी लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने पिछले तीन वर्षों में नीतियों में बदलाव कर खर्च कम करने और आमदनी बढ़ाने के प्रयास किए हैं और सरकार अपनी 10 चुनावी गारंटियों को चरणबद्ध तरीके से पूरा कर रही है। उन्होंने कहा कि आर्थिक चुनौतियों के बावजूद प्रदेश की विकास गति को धीमा नहीं होने दिया जाएगा और हिमाचल को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम जारी रहेगा।

न्यूज IN ब्रीफ

धुबड़ी ईदगाह मैदान में ईद-उल-फितर की नमाज अदा करने को जमा हुए हजारों लोग

धुबड़ी (असम) : निचले असम के प्रमुख जिला धुबड़ी में आज (21 मार्च) ईद-उल-फितर का उत्सव मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में धुबड़ी में सुबह-सवेरे नमाज अदा करके हजारों लोगों ने दिन की शुरूआत की और रमजान के पवित्र महीने के समाप्त होने का जश्न मनाया। धुबड़ी में, वार्ड नंबर 11 के ईदगाह मैदान में लगभग 10 हजार नमाजी एकता और भक्ति की भावना के साथ ईद की नमाज अदा करने के लिए जमा हुए। इस जमावड़े में न सिर्फ.पूरे शहर से, बल्कि आस-पास के इलाकों से भी लोगों ने हिस्सा लिया, जिससे यह इस इलाके के सबसे बड़े जमावड़ों में से एक बन गया। ईद का खुतबा (बयान) बहादुरतरी जामा मस्जिद के इमाम मौलाना अब्दुल रशीद ने दिया, जिन्होंने ईदगाह मैदान में जमा लोगों को संबोधित किया। नमाज के साथ ही जश्न की शुरूआत हो गई, जिसमें लोगों ने एक-दूसरे के गले लगकर मुबारकबाद दी और एकता, दान और शुक्रगुजारी की उस भावना को अपनाया जो इस त्योहार की पहचान है।--

वाहन की टक्कर से स्कूटी सवार युवक की मौत, साढ़ू भाई घायल

मीरजापुर : उत्तर प्रदेश में मीरजापुर जिले के वाराणसी-मीरजापुर मार्ग पर बरईपुर गांव के सामने शनिवार सुबह तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से स्कूटी सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साढ़ू भाई घायल हो गया। दोनों सक्तेशगढ़ स्थित स्वामी अड़गड़ानंद आश्रम दर्शन के लिए जा रहे थे। घायल रवि प्रकाश मौर्या (27) निवासी नसीरपुर, चंदौली ने बताया कि वह अपने साढ़ू भाई राजेश मौर्या (30) निवासी पौनी, सकलडीहा को स्कूटी पर बैठाकर आश्रम जा रहा था। सुबह करीब आठ बजे बरईपुर के पास पीछे से आए तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। टक्कर के बाद दोनों स्कूटी समेत डिवाइडर से टकरा गए। हेलमेट पहने होने से रवि प्रकाश को चोट आई, लेकिन राजेश मौर्या का सिर डिवाइडर से टकराने के कारण मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए भेजा। अदलहाट थाना प्रभारी अजय सेठ ने बताया कि घायल की तहरीर पर अज्ञात वाहन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच की जा रही है। मृतक के परिवार में एक पांच वर्षीय पुत्र और डेढ़ वर्ष की पुत्री है। घटना के बाद परिजन में कोहराम मच गया।

बिहार में वज्रपात से 2 लोगों की मौत, तेज आंधी-पानी से फसलों को भारी नुकसान

पटना : बिहार में शुक्रवार देर रात तेज आंधी-पानी के साथ वज्रपात से 02 लोगों की मौत हो गई और फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है।
पटना सहित राज्य के 13 जिलों में हुई आंधी-बारिश से फसलों को बहुत नुकसान हुआ है। इस दौरान आकाशीय बिजली गिरने से गयाजी में 02 लोगों की मौत हो गई। देर रात राज्य के कई जिलों में भारी बारिश दर्ज की गई। आंधी, बारिश और ओलावृष्टि का सबसे ज्यादा असर किसानों पर पड़ा है। गेहूं की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। पटना के बाढ़ इलाके में ताड़ के पेड़ पर आकाशीय बिजली गिरने से आग लग गई, हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। वहीं, गया जिले के वजीरगंज और डुमरिया में वज्रपात की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान वजीरगंज के कोल्हना गांव निवासी मनोज सिंह (50) और डुमरिया के छकरबंधा थाना क्षेत्र निवासी महेंद्र यादव (55) के रूप में हुई है।
मौसम विभाग ने स्थिति को गंभीर मानते हुए गोपालगंज, सारण ,सीवान, वैशाली, बेगूसराय, जहानाबाद, लखीसराय, नालंदा, नवादा,पटना और शेखपुरा जिले के कुछ भागों में अगले दो से तीन घंटों में मध्यम दर्जे की मेघ गर्जना , वज्रपात तथा वर्षा के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने को लेकर अलर्ट जारी किया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार इस बदलाव के पीछे बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी और सक्रिय ट्रफ लाइन मुख्य कारण हैं। दिन में बढ़ती गर्मी के कारण वातावरण में अस्थिरता बढ़ रही है, जिससे आंधी-बारिश की स्थिति बन रही है। पिछले 24 घंटों के दौरान सुबह जहां मौसम सामान्य और धूप वाला रहा, वहीं शाम होते-होते तेज आंधी और बारिश ने मौसम को सुहावना बना दिया।
कैमूर में अधिकतम तापमान 36.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि 18 डिग्री सेल्सियस के साथ राजगीर सबसे ठंडा रहा। मौसम विभाग के मुताबिक 21 मार्च को राज्य के अधिकतर हिस्सों में मौसम सक्रिय रहेगा। हालांकि 22 मार्च के बाद मौसम में धीरे-धीरे सुधार होने की संभावना है।

पुलिस मुठभेड़ में फायरिंग करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार, एक घायल, असलहा व बाइक बरामद

जौनपुर : जिले की सुजानगंज और महराजगंज थाना की संयुक्त पुलिस टीम ने शनिवार को मुठभेड़ के दौरान जानलेवा फायरिंग करने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश घायल हो गया। अपर पुलिस अधीक्षक (देहात) आतिश कुमार सिंह ने बताया कि पलारी गांव निवासी अनुज मिश्रा की तहरीर पर थाना सुजानगंज में मुकदमा दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप था कि प्रतीक दूबे और उसके साथियों ने घर के बाहर तथा चौराहे पर फायरिंग कर दहशत फैलाने की कोशिश की। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में टीम गठित कर आरोपितों की तलाश शुरू की गई। शनिवार को पुलिस को सूचना मिली कि आरोपित किसी बड़ी घटना की फिराक में हैं और प्रतापगढ़ बॉर्डर की ओर जा रहे हैं। इस पर सुजानगंज व महराजगंज पुलिस की संयुक्त टीम ने भोगीपुर-कठार के पास चेकिंग शुरू की। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार संदिग्ध युवक आते दिखाई दिया। पुलिस के रुकने का इशारा करने के बाद दोनों बदमाश अलग-अलग दिशाओं में भागने लगे। पीछा करने पर एक आरोपित ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी, जिससे पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें प्रतीक दूबे उर्फ अनुज (निवासी बिझवट, थाना महराजगंज) के पैर में गोली लग गई। उसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। वहीं, दूसरे आरोपित विनय दूबे (निवासी बिझवट) को पुलिस ने खेत में घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। दोनों के कब्जे से एक देशी पिस्टल, एक तमंचा, जिंदा व खोखा कारतूस (.32 व .315 बोर) एक आपचे मोटरसाइकिल बरामद की गई। पूछताछ में १ङ्गस्त्र३ङ्ग ने स्वीकार किया कि वे अपने साथियों के साथ मिलकर क्षेत्र में दहशत फैलाने के उद्देश्य से फायरिंग करते थे। पुलिस अन्य फरारआरोपितों की तलाश में जुटी है। मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।--

जगदलपुर में पहली बार होगा बस्तर राइडर्स मीट चार अप्रैल को, देश भर के बाइकर्स होंगे शामिल

जगदलपुर : बस्तर जिला मुख्यालय जगदलपुर में चार अप्रैल को पहली बार 'गरुड़ा द राइडर्स क्लब' की तरफ से बस्तर राइडर्स मीट 2026 का आयोजन किया जा रहा है। इसमें देश के विभिन्न राज्यों से बाइक राइडर्स और राइडिंग के शौकीन लोग हिस्सा लेंगे। इस आयोजन का उद्देश्य बस्तर की समृद्ध संस्कृति, खानपान और वेशभूषा को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है। साथ ही राइडर्स को बस्तर के प्राकृतिक सौंदर्य व पर्यटन स्थलों से रूबरू कराया जाएगा। आयोजन समिति ने इसके लिए जिले के विभिन्न विभागों के साथ समन्वय कर खास 'बस्तर दर्शन' कार्यक्रम भी तैयार किया है। इस कार्यक्रम के दौरान बाइकर्स यातायात नियमों के प्रति जागरूकता फैलाने के साथ सुरक्षित राइडिंग के फायदे भी बताए जाएंगे। वहीं राइडर्स अपने अनुभव साझा कर युवाओं को प्रेरित करेंगे।आयोजन में शामिल होने के लिए इच्छुक प्रतिभागी व्हाट्सएप या कॉल के माध्यम से 6263437809 और 7240839494 पर संपर्क कर सकते हैं। बस्तर राइडर्स मीट 2026 का मुख्य आकर्षण में बाइक शो और प्रदर्शनी में विभिन्न ब्रांड की आकर्षक बाइकों का प्रदर्शन, राइडिंग शो में कुशल राइडर्स के रोमांचक स्टंट, सर्वश्रेष्ठ मॉडिफाइड, विंटेज और सुपरबाइक के लिए पुरस्कार, बस्तर टैलेंट शोकेस में स्थानीय कलाकारों और संगीतकारों की प्रस्तुति, सांस्कृतिक फूड फेस्टिवल में बस्तर के पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद यह आयोजन बाइक प्रेमियों के साथ-साथ स्थानीय प्रतिभाओं और बस्तरवासियों के लिए भी एक खास उत्सव होगा, जहां राइडिंग का जुनून और बस्तर की सांस्कृतिक धरोहर एक साथ नजर आएगी।

आंध्र तेलुगु समाज चक्रधरपुर में नववर्ष हर्षोउल्लास के साथ मनाया

मुख्य अतिथियों ने भी समाजिक और एक रूपता की मुक्त रूप से सराहना की

बिनय मिश्रा

आंध्र तेलुगु समाज के द्वारा नववर्ष पर स्थानीय महात्मा गाँधी उद्यान में आयोजित मिलन समारोह सह सांस्कृतिक कार्यक्रम हर्षोल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर चक्रधरपुर रेल मंडल में पदस्थापित ए पी ओ अधिकारीगण हरिनाथ, श्री निवास एवं भानूलता मुख्य रूप से उपस्थित थे। अतिथियों ने तेलुगु समाज की एक जुटता, अपनापन एवं स्नेह भरे कार्यक्रम की सफलता पर सबों को बधाई दी और कहा कि- ऐसे कार्यक्रम से एकता और एकजुटता प्रदर्शित होती है। यह काफी गर्व की बात है कि नववर्ष पर हमसब इकट्ठे होकर पारिवारिक माहौल में एक साथ नववर्ष मना रहे हैं। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत पौधा और पुष्पगुच्छ देकर पूरे उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथिगण और अन्य लोगों भी कार्यक्रम की प्रस्तुति से भावविभोर हुए। इस अवसर पर तेलुगु समाज के उपाध्यक्ष बी प्रभाकर राव, सचिव एस पुष्पलता, ससचिव एम भवानी, कोषाध्यक्ष बी उषा एवं तेलुगु समाज के सभी सदस्यगण भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम की सफलता के संदर्भ में यही कहा जा सकता है कि-

एकजुटता और परस्पर सहयोग हमारे समाज की है मुख्य धारा
कार्यक्रम की सफलता मेरा और आपका नहीं सामुहिक रूप से है हमारा

राजस्व संग्रहण में लायें तेजी : आयुक्त

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : प्रमंडलीय आयुक्त कुमुद सहाय आज अपने कार्यालय वेश्म में पलामू प्रमंडल क्षेत्र अंतर्गत पलामू, लातेहार एवं गढ़वा जिलों के राजस्व पदाधिकारियों के साथ बैठक कर राजस्व संग्रहण की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में सभी संबंधित अधिकारियों ने अपने-अपने जिलों एवं विभागों में निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध अबतक की उपलब्धियों की जानकारी प्रस्तुत की।

आयुक्त ने जिलेवार राजस्व वसूली की स्थिति, लंबित मामलों, भू-राजस्व, लगान, खनन मद एवं अन्य राजस्व स्रोतों की प्रगति का बारीकी से आकलन किया। उन्होंने पाया कि कुछ विभागों में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है, जिसपर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष समाप्ति पर है। ऐसे में तत्परता बरतते हुए राजस्व संग्रहण में तेजी लाना सुनिश्चित करें। प्रमंडलीय आयुक्त ने स्पष्ट कहा कि सभी पदाधिकारी लक्ष्य के अनुरूप कार्य करते हुए समयबद्ध उपलब्धि सुनिश्चित करें। उन्होंने लंबित राजस्व वादों के त्वरित निष्पादन एवं नियमित मॉनिटरिंग करने पर विशेष बल दिया।

आयुक्त ने कहा कि सभी अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और राजस्व संग्रहण में किसी भी प्रकार की शिथिलता नहीं बरतें। उन्होंने चेतावनी दी कि लक्ष्य प्राप्ति में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

खनन विभाग द्वारा राजस्व संग्रहण की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने अवैध खनन, अवैध परिवहन, अवैध बालू लदा ट्रैक्टर के विरूद्ध सख्ती से कार्रवाई करने एवं राजस्व वसूली में तेजी लाने का सख्त निर्देश दिया।

बैठक में आयुक्त के सचिव बिजय वर्मा, प्रमंडल क्षेत्र के पलामू, गढ़वा एवं लातेहार के अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, खनन पदाधिकारी, मत्स्य पदाधिकारी, भूमि सुधार उप समाहर्ता, उत्पाद अधीक्षक, निलाम पत्र पदाधिकारी, बिजली विभाग के पदाधिकारी, जिला अवर निबंधक, नगर निगम, नगर पंचायत, नगर परिषद के पदाधिकारी, राजस्व से जुड़े विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं अन्य राजस्व पदाधिकारी उपस्थित थे।

आदिवासी संस्कृति से जुड़ा पर्व हैं सरहुल

मेदिनीनगर : आदिवासी संस्कृति से जुड़ा पर्व है सरहुल।पर्यावरण सुरक्षा का संदेश देता है सरहुल पर्व। सरहुल पर्व प्रकृति से जुड़ा पर्व है। उक्त बातें लीगल एड डिफेंस काउंसिल के डिप्टी चीफ संतोष कुमार पांडेय ने कहीं। वे सदर प्रखंड के गनके में सरहुल पूजा के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा यह पर्व जल जंगल जमीन के संरक्षण का प्रेरणा देता है।उन्होंने कहा कि सरहुल एक पर्व नही बल्कि संस्कृति बिरासत हैं जिसे संजोय कर रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सरहुल पर्व सदियों से प्रकृति और धरती पूजा से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। इस उत्सव में बैगा,पाहन, पुजारी द्वारा धरती माता की पूजा कर अच्छा वर्षा, खेती और बरकत की कामना की जाती है ।उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज की विशिष्ट सभ्यता, संस्कृति का यह प्रतीक है। जिसे संजोय कर रखना हम सभी का जिम्मेवारी हैं।